शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 18 | गुवाहाटी | बुधवार, 14 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लेडी डॉक्टर से रेप व हत्या मामले की जांच करेगी सीबीआई पेज 2
भारी मात्रा में हथियार के साथ 20 युवाओं ने किया आत्मसमर्पण पेज 3
परिवारवाद के भंवर में फंसी कांग्रेस तीसरी बार भी चखेगी हार का स्वाद... पेज 5
ईसीबी और क्रिकेट स्कॉटलैंड ओलंपिक 2028 में टीम ग्रेट ब्रिटेन को उतारने की... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक राजा की ताकत उसकी शक्तिशाली भुजाओं में होती है। ब्राह्मण की ताकत उसके आध्यात्मिक ज्ञान में और एक औरत की ताकत उसकी खूबसूरती, यौवन और मधुर वाणी में होती है।

– आचार्य चाणक्य

सरकारी मुआवजे की राशि के बंटवारे के लिए नया नियम लाएगी सरकार

कर्मचारी की मौत पर 20 प्रतिशत रकम माता-पिता को भी

गुवाहाटी। भारत में बीते कुछ दिनों से किसी सरकारी कर्मचारी की मौत पर मिलने वाले मुआवजे के बंटवारे को लेकर काफी विवाद देखने को मिला है। लोगों के बीच ये बात चर्चा का विषय रही है कि कर्मचारी की मौत के बाद मुआवजे में से कुछ हिस्सा उसके माता-पिता को भी मिले। अब इस मामले पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बड़ा एलान किया है। असम सरकार ने मुआवजे की राशि के बंटवारे के लिए नया नियम लाने का फैसला किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में किसी सरकारी कर्मचारी की मौत के बाद मुआवजे की राशि का बंटवारा 80:20 के रेशियों में किया जाएगा। सीएम हिमंत ने बताया कि मुआवजे की 80 प्रतिशत राशि मृतक के पति/पत्नी को और 20 प्रतिशत राशि माता-पिता को दी जाएगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि मुआवजे के 80:20 के रेशियों में बंटवारे का नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगा। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने इस फैसले के कारण बारे में बात करते हुए कहा है कि हम नहीं चाहते कि दुख की घड़ी में परिवार बंट जाएं। असम के मुख्यमंत्री ने जानकारी दी है कि सरकारी ट्रांसफर और पोस्टिंग भ्रष्टाचार का एक बड़ा स्रोत हैं। इसे समाप्त करने के लिए हमारी सरकार एक पोर्टल लाएगी, जिसके माध्यम से कर्मचारी स्वयं अपना ट्रांसफर कर सकेंगे। इसमें सरकारी हस्तक्षेप को न्यूनतम रखा जाएगा। असम सीएम ने ये भी कहा है कि अगले वर्ष असम का 14वां मेडिकल कॉलेज गुवाहाटी में चालू हो जाएगा जबकि 2026 में 3 और मेडिकल कॉलेज चालू हो जाएंगे। इससे पहले, असम कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों की वित्तीय सुरक्षा में सुधार के उद्देश्य से पेंशन नियमों में बदलाव को मंजूरी दी थी। जनरल प्रोविडेंट फंड (असम सेवा) नियम 1937 के नियम 10(1)(बी) में नए अनुमोदित संशोधन के तहत, पुरानी पेंशन योजना के अंतर्गत आने वाले राज्य कर्मचारियों को उनकी अंशदान सीमा में समायोजन देखने को मिलेगा। संशोधित नियम के अनुसार कर्मचारी अपने मासिक वेतन का 6.25 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक अपने भविष्य निधि कोष में योगदान कर सकते हैं। इसके अलावा, एक वित्तीय वर्ष के दौरान बकाया राशि सहित कुल योगदान अब 5 लाख रुपए तक सीमित है। इस संशोधन से कर्मचारियों को अपनी सेवानिवृत्ति बचत का प्रबंधन करने में अधिक लचीलापन मिलने की उम्मीद है। सरकार ने कहा कि यह परिवर्तन सेवानिवृत्त और मौजूदा कर्मचारियों द्वारा सामना की जाने वाली वित्तीय कठिनाइयों को कम करने में मदद करेगा, क्योंकि इससे योगदान में वृद्धि होगी और आपात स्थितियों के लिए धन निकालने की क्षमता होगी।

एक लाख नौकरी देने का वादा पूरा किया : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि उनके कार्यकाल में 99,000 से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं और विधानसभा चुनाव से पहले किए गए वादे के अनुसार एक लाख नौकरियों का आंकड़ा दो महीने के भीतर हासिल कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा अगले वर्ष *बोनस* के रूप में 50,000 अन्य नियुक्तियां की जाएंगी, जिन्होंने मई 2021 में सत्ता संभाली थी। शर्मा यहां 1,127 नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में भाग लेने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। इसके साथ ही उनके कार्यकाल में कुल भर्तियां 99,000 से अधिक हो गई हैं। उन्होंने कहा कि जब हम सत्ता में आए थे, हमने वादा किया था कि हम एक लाख नियुक्तियां देंगे। आज, हमने -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल के लोगों की देशभक्ति राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में झलकती है : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के सेप्पा, पूर्वी कामेंग में *हर घर तिरंगा* यात्रा पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में देशभक्ति स्पष्ट रूप से झलकती है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू द्वारा एक्स पर एक वीडियो पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए, मोदी ने लिखा कि अरुणाचल प्रदेश एक ऐसी भूमि है जहां देशभक्ति हर नागरिक के दिल में -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में बाढ़ होने का मुख्य कारण है मेघालय का पानी : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि गुवाहाटी में कृत्रिम बाढ़ का मुख्य कारण मेघालय के पहाड़ों से आने वाला पानी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेघालय में पहाड़ों की हो रही बेतरतीब कटाई की वजह से गुवाहाटी जलमग्न हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुवाहाटी की जनता को ग्रीन ट्रिब्यूनल में मेघालय के पहाड़ों की हो रही कटाई से संबंधित शिकायतें करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आज रात आकाश में मंगल और गुरु की बनेगी जोड़ी

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए बुधवार, 14 अगस्त की रात खास होने जा रही है। इस दौरान आकाश में अद्‌भुत नजारा देखने को मिलेगा। दरअसल, 14 अगस्त को मध्यरात्रि के बाद आकाश में लाल ग्रह कहे जाने वाला मंगल और सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति (गुरु) जोड़ी बनाते -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया के सबसे ऊंचे पुल पर निकली 750 मीटर लंबी तिरंगा रैली

कटड़ा। जम्मू-कश्मीर के रियासी में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तिरंगा रैली निकाली गई। इस दौरान सभी ने हाथों में तिरंगा पकड़ा हुआ था। इस रैली में स्कूली बच्चों और अन्य लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। जानकारी के अनुसार स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर चिनाब नदी -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में पांच सीएनजी स्टेशनों का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज दिसपुर के लोक सेवा भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में पांच कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) स्टेशनों के वाणिज्यिक संचालन का वर्चुअल उद्घाटन किया। गौरतलब है कि पूर्व भारती गैस प्राइवेट लिमिटेड, जो असम गैस कंपनी लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड और गेल गैस लिमिटेड की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, ने उलुबारी, सोनापुर, लालमाटी, काहिलीपारा और आजारा में सीएनजी स्टेशन विकसित किए हैं। स्टेशनों के नाम हैं कोको (कंपनी के स्वामित्व वाली कंपनी संचालित) सीएनजी स्टेशन, उलुबारी, एचपी सोनापुर, सोनापुर, एचकेएस सर्विस स्टेशन, लालमाटी, बुंगरंग सर्विस स्टेशन, काहिलीपारा तथा रमानी सर्विस स्टेशन, आजरा। इस अवसर पर बोलते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

लाल किले पर 11वीं बार तिरंगा फहराएंगे पीएम मोदी, 18 हजार लोगों आमंत्रित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को लगातार 11वीं बार लाल किले पर तिरंगा फहराने वाले तीसरे प्रधानमंत्री बनेंगे। इस उपलब्धि के साथ, पीएम मोदी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पीछे छोड़ देंगे जिन्होंने लगातार 10 बार तिरंगा फहराया था। साथ ही, पीएम मोदी इंदिरा गांधी की बराबरी करेंगे, जिन्होंने लाल किले पर 16 बार तिरंगा फहराया था। हालांकि, वह इस मामले में पंडित जवाहरलाल नेहरू से पीछे रहेंगे, जिन्होंने 17 बार लगातार तिरंगा फहराया था। नेहरू ने 1947 से 1963 तक लगातार 17 वर्षों तक लाल किले पर झंडा फहराया। इसके बाद -शेष पृष्ठ दो पर

असम से 70 विशेष अतिथि होंगे शामिल

गुवाहाटी। असम से 70 से अधिक विशेष आमंत्रितों और उनके परिवारों को 15 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए विशेष अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया है। केंद्र सरकार ने इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस के समारोह में भाग लेने के लिए विकसित भारत थीम के अंतर्गत देश भर से 6,000 से अधिक विशेष अतिथियों को -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान की प्रस्तावना से सेक्युलर और समाजवादी शब्दों को हटाने की मांग

एससी ने 21 अक्तूबर तक टाली सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान की प्रस्तावना से *धर्मनिरपेक्ष* और *समाजवादी* शब्द हटाने की मांग पर सुनवाई 21 अक्तूबर तक के लिए टाल दी है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस बात पर विचार करने की जरूरत बताई कि क्या प्रस्तावना में संशोधन करना उचित है, जिसे बाद में 26 नवंबर 1949 को स्वीकार कर लिया गया। याचिका बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने दायर की थी। याचिका में 1976 में 42वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़ने की वैधता को चुनौती दी गई थी, यह तर्क देते हुए कि इन शब्दों को शामिल करने से अनुच्छेद 368 के तहत संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति से अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में वक्फ बोर्ड की जमीन पर होगा बहुउद्देशीय भवनों का निर्माण

पटना। बिहार सरकार सुन्नी और शिया वक्फ बोर्ड के तहत पंजीकृत संपत्तियों के विकास के लिए बहुउद्देशीय भवन, विवाह भवन, बाजार परिसर और अन्य संरचनाओं के निर्माण की तैयारी कर रही है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि सरकार ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में 21 नए मदरसे स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। खान ने संवाददाताओं से कहा कि पटना, पूर्णिया, कैमूर, कटिहार, किशनगंज, नवादा और सीवान में 2023-24 में बहुउद्देश्यीय भवन, बाजार परिसर और पुस्तकालय के निर्माण के लिए दस परियोजनाएं प्रस्तावित की गई थी। इन परियोजनाओं के लिए 105.13 करोड़ रुपए की राशि प्रस्तावित की गई थी। उन्होंने कहा कि 2024-25 में सीवान और भागलपुर जिलों में बहुउद्देशीय भवनों, गेस्ट हाउस, विवाह भवन, वक्फ कार्यालय भवनों और बाजार परिसरों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य वक्फ विकास योजना के तहत -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप हो या कमला हर किसी के साथ काम करने को तैयार : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ काम करने के लिए तैयार है, चाहे कोई भी पद पर हो। नई दिल्ली में इंडियास्पोरा की प्रभाव रिपोर्ट के लॉन्च पर आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के बारे में बोलते हुए, जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी प्रणाली अपना फैसला सुनाएगी और भारत किसी भी सरकार के साथ काम करने की अपनी क्षमता को लेकर आश्वस्त है। जयशंकर ने कहा कि आम तौर पर, हम दूसरे लोगों के चुनावों पर टिप्पणी नहीं करते क्योंकि हम यह भी आशा करते हैं कि दूसरे हम पर टिप्पणी न करें। लेकिन अमेरिकी व्यवस्था अपना फैसला सुनाएगी। और, मैं इसे केवल एक औपचारिकता के रूप में नहीं कह रहा हूं, बल्कि अगर आप पिछले 20 वर्षों पर -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में हसीना के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और छह अन्य के खिलाफ पिछले महीने हुई हिंसक झड़पों के दौरान किराने की एक दुकान के मालिक की मौत को लेकर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार को मीडिया की खबरों में यह जानकारी सामने आई है। नौकरी में आरक्षण की विवादास्पद व्यवस्था को लेकर अपनी अवामी लीग नीत सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद पिछले सप्ताह इस्तीफा देकर भारत भाग गयीं हसीना (76) के खिलाफ दर्ज किया गया यह पहला मामला है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के मुताबिक, यह मामला किराने की दुकान के मालिक अबू सईद के शुभचिंतक ने दर्ज कराया है, जिनकी मोहम्मदपुर -शेष पृष्ठ दो पर

खुलासा : रूस की यूरोप पर परमाणु मिसाइल हमले की तैयारी

मॉस्को। रूस (रूस) और नाटो के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए, हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें खुलासा हुआ है कि रूस ने यूरोप पर परमाणु-सक्षम मिसाइलों से हमले की तैयारी कर ली है। इस रिपोर्ट में गुप्त फाइलों का हवाला दिया गया है, जो इस बात को दर्शाती हैं कि रूस ने अपनी नौसेना को नाटो के साथ संभावित संघर्ष की स्थिति में यूरोप के अंदर गहरे लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए प्रशिक्षित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने 2008 और 2014 के बीच अपनी नौसेना के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की थी, जिसमें पश्चिमी यूरोप के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर परमाणु-सक्षम मिसाइलों से हमला करने की रणनीति बनाई गई। इन लक्ष्यों में फ्रांस का पश्चिमी तट और ब्रिटेन के कुछ महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं। रूसी नौसेना की योजना में 32 नाटो लक्ष्यों को निशाना बनाने की तैयारी है। इन लक्ष्यों में सैन्य ठिकानों के साथ-साथ महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रूस की नौसेना की *उच्च गतिशीलता* इसे विभिन्न दिशाओं से अचानक और बड़े पैमाने पर हमले करने की क्षमता प्रदान करती है। रूस की इस रणनीति में सामरिक परमाणु -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइली मंत्रिमंडल में बगावत

रक्षा मंत्री और नेतन्याहू के बीच तीखी बहस

जेरूसलम। ईरान में हमास नेता इस्माइल की हत्या के बाद जहां इजराइल और तेहरान के बीच तनाव बढ़ गया है वहीं इजराइल की आंतरिक फूट भी सामने आ गई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के रक्षामंत्री के बयान ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के बीच सोमवार को एक तीखी नोकझोंक हुई। इस घटना ने इजरायल सरकार के भीतर गहरे आंतरिक विभाजन को उजागर कर दिया है। गाजा में चल रहे युद्ध के कारण यह तनाव और बढ़ गया है, क्योंकि इस संघर्ष के एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बदल जाने का खतरा है। इस विवाद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ड्रग्स समेत महिला तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पानबजार थाना क्षेत्र इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की एक टीम ने अभियान चलाकर ड्रग्स समेत एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने मंगलवार को बताया कि पानबाजार थाना क्षेत्र के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन की कार पार्किंग में चलाए गए अभियान के दौरान 27 प्लास्टिक की छोटे-छोटे कंटेनर में भरकर रख गए 34 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन समेत अफसाना खातून उर्फ टूलूऊ (28, धुबड़ी) को गिरफ्तार किया गया है।

हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

लेडी डॉक्टर से रेप व हत्या मामले की जांच करेगी सीबीआई

कोलकाता (हि.स.)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के बलात्कार व हत्या मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सीबीआई से मामले की जांच कराए जाने का आदेश दिया है। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम ने इससे जुड़े केस डायरी के निरीक्षण के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार को मामले से संबंधित सभी जानकारी और दस्तावेज सीबीआई को सौंपने होंगे। इसके अलावा, पुलिस की तरफ से जुटाए गए सभी सीसीटीवी फुटेज भी सीबीआई को सौंपे जाने चाहिए। उल्लेखनीय है कि पिछले शुक्रवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड की चौथी मंजिल पर एक महिला डॉक्टर का शव खून से लथपथ अवस्था में मिला था। इस घटना ने राज्य भर में हड़कंप मचा दिया था। हत्या और बलात्कार का आरोप लगाते हुए आरजी कर के जूनियर डॉक्टरों ने आंदोलन शुरू कर दिया है और लगातार धरने पर बैठे हैं। बाद में, इस आंदोलन में अन्य डॉक्टर भी शामिल हुए। यह आंदोलन केवल आरजी कर मेडिकल कॉलेज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राज्य के विभिन्न अस्पतालों में भी फैला है। यहां तक कि देश के विभिन्न अस्पतालों के डॉक्टरों ने भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर की हत्या के मामले में अब तक कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। इन जानकारियों से यह स्पष्ट होता है कि महिला डॉक्टर के साथ अत्यधिक बर्बरता की गई थी। पुलिस ने इस मामले में एक सिविक वॉलंटियर संजय राय को गिरफ्तार किया है। हालांकि अब तक किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता के सबूत नहीं मिले हैं। शनिवार को आरोपित को शियालदह कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने उसे 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आरजी कर कांड को लेकर हाई कोर्ट में कई जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनकी सुनवाई मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश की बेंच में हुई। इन याचिकाओं में मुख्य रूप से तीन मांगें की गई थीं। पहली मांग यह थी कि इस मामले की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी से कराई जाए। याचिकाकर्ताओं ने इस मामले की जांच सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी से कराने की अपील की, जिस पर राज्य का कोई प्रभाव न हो। दूसरी मांग यह थी कि इस घटना में शामिल लोगों की तत्काल पहचान कर उन्हें सजा दी जाए। तीसरी मांग यह थी कि सभी सरकारी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ाई जाएगी

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 05671/05672 (गुवाहाटी-आनंद विहार टर्मिनल-गुवाहाटी) और ट्रेन संख्या 05919/05920 (न्यू तिनसुकिया-भगत की कोठी-न्यू तिनसुकिया) को दोनों दिशाओं में एक-एक फेरा तथा ट्रेन संख्या 05734/05733 (कटिहार-अमृतसर-कटिहार) और 02525/02526 (कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या) की सेवाओं को दोनों दिशाओं में चार-चार फेरों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि ये ट्रेनें मौजूदा सेवा दिवसों, समय-सारणी, संरचना और ठहराव के साथ चलेंगी। तदनुसार, ट्रेन संख्या 05671 (गुवाहाटी-आनंद विहार टर्मिनल) साप्ताहिक स्पेशल को 21 अगस्त, 2024 (बुधवार) के लिए बढ़ाया गया है। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 05672 (आनंद विहार टर्मिनल-गुवाहाटी) साप्ताहिक स्पेशल को 23 अगस्त, 2024 (शुक्रवार) के लिए बढ़ाया गया है। उधर, ट्रेन संख्या 05919 (न्यू तिनसुकिया-भगत की कोठी) साप्ताहिक स्पेशल को 19 अगस्त (सोमवार) के लिए बढ़ाया गया है।

हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। जीआरपीएफ ने न्यू बंगाईगांव स्टेशन पर एक अभियान चलाकर रॉबिन चौधरी नामक एक व्यक्ति को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार रॉबिन चौधरी की ली गई तलाश के दौरान छह साबुनदानी में बंद संदिग्ध हेरोइन जब्त किया। जब्त हेरोइन की मात्रा 72 ग्राम है। रॉबिन चौधरी को राजेंद्र नगर एक्सप्रेस डाउन से गिरफ्तार किया गया।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी

बीएसएफ और बीजीबी के बीच समन्वय बढ़ा

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के काम शुरू करने के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बॉर्डर पर हालात सामान्य करने की कोशिशें शुरू कर दी है। तीन दिन के भीतर बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) के बीच कई दौर की द्विपक्षीय बैठकें हुई हैं, जिनमें भारत-बांग्लादेश सीमा की मौजूदा स्थिति पर नियंत्रण और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चर्चा हुई है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर मंगलवार को हुई बैठक में बीएसएफ के महानिदेशक के निर्देशों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों के समन्वय को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। बीएसएफ अधिकारियों ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की भूमिका की सराहना की, जिन्होंने बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर आने से रोकने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.58 PSC/Estt.-32/2023-2024

NOTIFICATION

This is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Screening Test (OMR Based) for recruitment to the post of **Computer Operator** under the Establishment of Assam Public Service Commission (Advt. No. 07/2024, dated 08/03/2024 & Addendum dtd. 21-03-2024) as per programme given below:

Name of Post	Date & Day	Time	Subjects
Computer Operator in the office of the A.P.S.C.	**08-09-2024** (Sunday)	10:00 AM to 12:00 Noon	General Studies (General English, Computer Theory & General Awareness)

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The list of candidates shall be uploaded on **28-08-2024** and e-Admission Certificate on **30-08-2024** in the Commission's official website **(www.apsc.nic.in).** The candidates shall have to download their own e-Admission Certificate from the aforesaid website.

The Commission would like to clarify that the Commission reserves the right **to cancel the candidature of any candidate on verification of their application form** at any time or stage even after the Screening Test, 1f 1t 1s found that they do not fulfill any of the eligibility criteria/conditions as per terms of the **aforementioned advertisement.**

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/4130/24/14-Aug-24

पृष्ठ एक का शेष

एक लाख नौकरी...

99,097 नियुक्तियों का मील का पत्थर पार कर लिया है। मुझे यकीन है कि इस महीने या अगले महीने में, हम एक लाख नियुक्तियां कर लेंगे। शर्मा ने दावा किया कि अगले वर्ष 50,000 अतिरिक्त नौकरियां प्रदान की जाएंगी, जो वादा किए गए एक लाख नियुक्तियों के अतिरिक्त एक बोनस होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि नियुक्तियां अत्यंत पारदर्शी तरीके से की जा रही हैं तथा सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण की प्रक्रिया भी पूरी तरह भ्रष्टाचार मुक्त बनाई जाएगी। इससे पहले डॉ शर्मा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा कि एक और मुद्दा जो हमने भर्ती प्रक्रिया के समानांतर लक्ष्य निर्धारित किया है, वह है *पारदर्शी स्थानांतरण प्रक्रिया।* हम राज्य सरकार के तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के स्थानांतरण की प्रक्रिया को आपसी समझ के माध्यम से पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित करने के लिए 2 अक्तूबर से एक पोर्टल शुरू करने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के तृतीय तथा चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी आपस में साझा करके एक स्थान से दूसरे स्थान पर अपना तबादला करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे कर्मचारियों को भी सुविधा होगी तथा तबादले से संबंधित फाइलों से कार्यालय को भी छुटकारा मिलेगा।

अरुणाचल के लोगों ...

गहराई से समाई हुई है। यह राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में स्पष्ट रूप से झलकती है। हर घर तिरंगा के प्रति ऐसा उत्साह देखकर खुशी हुई। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत पूर्वी कामेंग के सेप्पा में 600 फीट की भव्य तिरंगा यात्रा का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि हमारी शान तिरंगा। उल्लेखनीय है कि 2021 में शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान का तीसरा संस्करण 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 9 से 15 अगस्त तक मनाया जा रहा है।

गुवाहाटी में बाढ़ ...

गुवाहाटी के दिसपुर सर्किल में मुख्य रूप से जलभराव हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार मेघालय से आने वाले पानी को एक तरफ वरिष्ठ होकर डीपर बिल में मोड़ने तथा दूसरी ओर रुक्मिणी गांव से होते हुए शिलसांको बिल से होकर बोंदा जान की ओर ले जाने की योजना पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इसमें कम से कम 3 वर्ष का समय लग जाएगा, क्योंकि भूमि अधिग्रहण भी करना पड़ेगा। उधर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय (यूएसटीएम) जिहाद को बढ़ावा दे रहा है। कांग्रेस जैसी पार्टियां इसीलिए इसे संरक्षण दे रही है, क्योंकि यह मुस्लिम स्वामित्व वाला संस्थान है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मीडिया से चर्चा में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यूएसटीएम में जाने के लिए मक्का में सिर झुका कर जाना होता है। इसे किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है। यूएसटीएम में शिक्षा के बदले जिहाद को बढ़ावा दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि यूएसटीएम के गेट पर मक्का के साथ-साथ कामाख्या और वेटिकन सिटी, बरदुवा नामघर आदि को भी प्रतीकात्मक लगाया जाता तो मान्य था। सवाल यह उठता है कि हम मक्का में सिर झुकाने क्यों जाएं। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने माना था कि गुवाहाटी में कृत्रिम बाढ़ का मुख्य कारण जोराबाट में बाढ़ का होना है। गुवाहाटी में बाढ़ होने के पीछे यही कारण है कि यूएसटीएम ने पहाड़ पर पानी का ढलान गुवाहाटी के तरफ कर दिया है। यदि इस ढलान को मेघालय की ओर किया जाता तो गुवाहाटी में बाढ़ की स्थिति इतनी जटिल नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस दिशा में कार्रवाई कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी ...

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि हरित गुवाहाटी की दिशा में उठाए गए कदमों की श्रृंखला के तहत, राज्य में पांच नए सीएनजी स्टेशनों का उद्घाटन, ग्रीन एनर्जी के बड़े पैमाने पर उपयोग को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों को बल देगा। उन्होंने यह भी कहा कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को समाप्त करने और अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग को बढ़ाने की सरकार की नीति के तहत, ये सीएनजी स्टेशन कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और लोगों को हरित पर्यावरण प्रदान करने में संभावित रूप से सहायक साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस उद्घाटन के साथ ही कामरूप मेट्रो और कामरूप जिले में सेवारत सीएनजी स्टेशनों की कुल संख्या सात हो गई है। आठ और सीएनजी स्टेशन अपने पूरा होने के अंतिम चरण में हैं। 15 और का काम प्रगति पर है। बराक घाटी में तीन सीएनजी स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है। दो और अपने पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं। इस प्रकार, असम में 38 सीएनजी स्टेशन होंगे और निकट भविष्य में संख्या बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसके अलावा, तीन हजार मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के पूरा होने के विभिन्न चरणों के साथ, असम अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हरित और नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने में एक आदर्श बदलाव लाने के लिए तैयार है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती के साथ, राज्य सरकार अधिक सीएनजी स्टेशनों और सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशनों के लिए बुनियादी ढांचा बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गैस की आपूर्ति के लिए उपभोक्ताओं को जोड़ने के लिए घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस योजना के तहत गैस ग्रिड बिछाने का काम जोरों पर चल रहा है। इस अवसर पर उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम मंत्री बिमल बोरा, एएसटीसी मिशन के अध्यक्ष रंजन दास, पूर्व भारती गैस प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ मनोज कुमार बरुवा और अन्य उपस्थित थे।

लाल किले पर 11वीं ...

इंदिरा गांधी ने 1966 से 1976 और 1980 से 1984 तक कुल 16 बार लाल किले पर झंडा फहराया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2004 से 2013 तक लगातार दस बार यह परंपरा निभाई थी। इस स्वतंत्रता दिवस पर, लाल किले में समारोह के लिए 11 श्रेणियों में कुल 18 हजार मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। इनमें 4 हजार खास मेहमान महिलाएं, किसान, युवा और गरीब वर्ग के लोग शामिल होंगे। यह वर्ग पीएम मोदी द्वारा देश की चार प्रमुख जातियों के रूप में पहचाना गया था। इसके अलावा, पेरिस ओलंपिक में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ियों को भी इस साल के समारोह में आमंत्रित किया गया है। इस प्रकार, लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडा फहराने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की विविधताओं और उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने का प्रयास किया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मेहमानों के शामिल होने से समारोह और भी खास हो जाएगा।

असम से 70 विशेष...

आमंत्रित किया है। इन विशिष्ट अतिथियों में 70 असम से हैं, जो समाज के विभिन्न वर्गों से हैं, जिनमें महिलाएं, युवा, किसान, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और नीति आयोग और पंचायत राज के प्रतिनिधि तथा माईगव स्वतंत्रता दिवस क्विज के विजेता शामिल हैं। अतिथियों ने दिल्ली में राष्ट्रीय समारोह देखने के लिए उन्हें आमंत्रित करने के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उदालगुड़ी जिले के एक किसान संजीब बसुमतारी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं सरकार और थुलुंगा किसान संघ के एफपीओ श्री बिलियम बसुमतारी का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस विशेष अवसर में भाग लेने के लिए चुना। इसी तरह, शिवसागर, असम के बोरपात्रा हाई स्कूल के शिक्षक मैनु दत्ता ने कहा कि मैं इस तरह के अनुभव के लिए बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे लिए खास है क्योंकि मेरा बेटा जो हमारे स्कूल का छात्र है, उसका भी इस कार्यक्रम के लिए चयन हुआ है। बक्सा के कक्षा 10 के छात्र मिंटू हालोई ने कहा कि माईगव क्विज में भाग लेते समय मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं जिला स्तर पर योग्य हो जाऊंगा और एक सप्ताह के लिए गुजरात जाने के लिए चुना जाऊंगा। मैं इस अवसर के लिए हमारे प्रधानमंत्री सर को धन्यवाद देना चाहता हूं, मैं असम के बाहर किसी अन्य राज्य में कभी नहीं गया, लेकिन इस पहल के कारण मुझे गुजरात जाने का अवसर मिला और अब मैं दिल्ली जा रहा हूं। मैं सभी से ऐसी गतिविधियों में भाग लेने और सरकार के प्रयासों की सराहना करने का आग्रह करता हूं। इन विशेष अतिथियों की भागीदारी भारत की स्वतंत्रता के उत्सव में देश के सभी भागों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों की आवाजों को शामिल करने के सरकार के प्रयासों का प्रमाण है।

संविधान की प्रस्तावना...

है। इससे पहले इस साल फरवरी में शीर्ष अदालत ने सवाल किया था कि क्या गोद लेने की तारीख को बरकरार रखते हुए संविधान की प्रस्तावना में संशोधन किया जा सकता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी और वकील विष्णु शंकर जैन से सवाल पूछा था, जिन्होंने संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग की है। 1976 में इंदिरा गांधी सरकार द्वारा पेश किए गए 42वें संवैधानिक संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द शामिल किए गए थे। इस संशोधन ने प्रस्तावना में भारत के विवरण को संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर कर दिया। एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य। स्वामी ने अपनी याचिका में दलील दी है कि प्रस्तावना को बदला, संशोधित या निरस्त नहीं किया जा सकता है। प्रस्तावना में समाजवादी शब्द भारतीय राज्य की अपने नागरिकों के बीच सामाजिक और आर्थिक समानता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसका तात्पर्य यह है कि सरकार आय, धन और अवसर में असमानताओं को कम करने का प्रयास करेगी और संसाधनों का उचित वितरण प्रदान करने की दिशा में काम करेगी। यह एक विचारधारा के रूप में समाजवाद का कड़ाई से पालन करने का सुझाव नहीं देता है, बल्कि एक मिश्रित अर्थव्यवस्था को इंगित करता है जहां सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र सह-अस्तित्व में हैं।

बिहार में वक्फ बोर्ड ...

यह काम किया जा रहा है। खान ने कहा कि इसके अलावा, बिहार राज्य मदरसा सुदृढीकरण योजना (बीआरएमएसवाई) के तहत राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में 21 नए मदरसे बनाने का फैसला किया है। हाल ही में राज्य में दस मदरसों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। मंत्री ने कहा कि बीआरएमएसवाई के तहत मदरसों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ पेयजल, पुस्तकालय, उपकरण, शौचालय, कंप्यूटर साइंस लैब आदि जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इस योजना की शुरुआत 2018-19 में की गई थी। पिछले साल पूर्णिया में दो तथा नालंदा और पूर्वी चंपारण में एक-एक मदरसों के सुदृढ़ीकरण के लिए 32.39 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक-2024 और इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजे जाने के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों की भावनाओं और उनके कल्याण को लेकर गंभीर हैं, जो भी निर्णय लिया जाएगा वह निश्चित रूप से समुदाय के हित में होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के बारे में चिंतित है और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि ऐसी संपत्तियों पर कोई अतिक्रमण न हो।

ट्रंप हो या कमला...

नजर डालें, तो शायद हमारे लिए थोड़ा और, हमें पूरा विश्वास है कि हम यूनाइटेड के राष्ट्रपति के साथ काम करने में सक्षम होंगे। यह पूछे जाने पर कि वह वर्तमान वैश्विक स्थिति को कैसे देखते हैं, एस जयशंकर ने यूक्रेन और इजराइल में चल रहे संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुनिया एक असाधारण कठिन दौर का अनुभव कर रही है। मैं एक आशावादी व्यक्ति हूं और आम तौर पर समाधान से निकलने वाली समस्याओं के बजाय समस्याओं के समाधान के बारे में सोचता हूं। लेकिन मैं बहुत संयम के साथ कहूंगा कि हम बेहद कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अगले पांच साल का परिदृश्य काफी गंभीर नजर आ रहा है। जयशंकर ने कहा कि आपके पास वह है जो आप मध्य पूर्व में घटित होते हुए देख रहे हैं, आप जो यूक्रेन में घटित होते हुए देख रहे हैं, जो आप दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया में घटित होते हुए देख रहे हैं, कोविड का निरंतर प्रभाव जिसे हममें से जो लोग इससे बाहर आए हैं, वे हल्के में लेते हैं, लेकिन कई लोग इससे बाहर नहीं आ पाए हैं।

बांग्लादेश में हसीना...

में आरक्षण आंदोलन के समर्थन में 19 जुलाई को निकाले गए जुलूस के दौरान पुलिस की गोलीबारी में मौत हो गई थी। अन्य आरोपियों में अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामून शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इनके अलावा, कई उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। बांग्लादेश में पांच अगस्त को हसीना सरकार के गिरने के बाद देशभर में भड़की हिंसा की घटनाओं में 230 से अधिक लोग मारे गए है। जुलाई के मध्य में पहली बार कोटा विरोधी प्रदर्शन शुरू होने के बाद से इस हिंसा में मरने वालों की कुल संख्या 560 हो गई है। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार बनाया गया है। यूनुस ने पिछले सप्ताह अपने 16-सदस्यीय सलाहकार परिषद के विभागों की घोषणा की। समाचार पत्र *डेली स्टार* की खबर के अनुसार, सोमवार को अवामी लीग की चिर प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सहित सात राजनीतिक दलों ने यूनुस से अलग-अलग मुलाकात की और कहा कि अंतरिम सरकार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए आवश्यक समय ले सकती है। रिपोर्ट में बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर के हवाले से कहा गया है कि हमने इस अंतरिम सरकार को चुनाव कराने के वास्ते उचित माहौल बनाने के लिए जरूरी समय दिया है। आलमगीर ने कहा कि उन्होंने चुनाव के संबंध में कोई चर्चा नहीं की और बीएनपी ने अगला चुनाव कराने के लिए किसी खास समय सीमा का उल्लेख नहीं किया है। उन्होंने कहा कि बीएनपी अंतरिम सरकार की सभी गतिविधियों को अपना पूरा समर्थन दे रही है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि पार्टी ने यूनुस से आग्रह किया कि पार्टी अध्यक्ष खालिदा जिया और कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान सहित उसके नेताओं के खिलाफ सभी मामले वापस ले लिए जाएं। हसीना के अपदस्थ होने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया (79) को जेल से रिहा कर दिया गया था।

खुलासा : रूस की ...

हथियारों का उपयोग करने की संभावना भी शामिल है। सामरिक परमाणु हथियार, जो सामान्यत: छोटे क्षेत्र में सीमित होते हैं, को रूस ने युद्ध में तेजी से जीत हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार के रूप में देखा है। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि रूस ने *प्रदर्शन हड़ताल* की योजना पर विचार किया है। इसका मतलब है कि वे वास्तविक संघर्ष से पहले किसी दूरस्थ क्षेत्र में परमाणु हथियार का विस्फोट कर सकते हैं, ताकि पश्चिमी देशों को डराकर उन्हें बातचीत की टेबल पर लाया जा सके। पश्चिमी विश्लेषकों का मानना है कि रूस की इस योजना से नाटो और पश्चिमी यूरोप के लिए गंभीर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। रूस की यह रणनीति नाटो के आकलन के अनुरूप है, जो पहले से ही रूस द्वारा परमाणु हथियारों के तेजी से उपयोग की संभावना पर चिंता जता रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहले भी यूरोपीय देशों को चेतावनी दी थी कि वे छोटे और घनी आबादी वाले राज्य हैं, और उन्हें रूस की शक्ति को कम नहीं आंकना चाहिए। यह रिपोर्ट इस बात का संकेत देती है कि रूस किसी भी संभावित संघर्ष की स्थिति में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी साधनों का उपयोग करने के लिए तैयार है।

रक्षा मंत्री और नेतन्याहू ...

की शुरुआत तब हुई जब इजराइल की मीडिया में यह खबर आई कि रक्षा मंत्री गैलेंट ने गाजा में इस्लामवादी आंदोलन हमास के खिलाफ प्रधानमंत्री नेतन्याहू की *पूर्ण विजय* की योजना को *बकवास* बताया। इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने गैलेंट की इस टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि जब गैलेंट इजरायल विरोधी बयान देता है, तो वह बंधकों की रिहाई के समझौते तक पहुंचने की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाता है। इजरायल सरकार का युद्ध लक्ष्य *पूर्ण विजय* है, जिसमें हमास का सफाया और 7 अक्तूबर को हमास के आतंकियों द्वारा पकड़े गए बंधकों की रिहाई शामिल है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह लक्ष्य प्रधानमंत्री नेतन्याहू और सुरक्षा कैबिनेट का स्पष्ट निर्देश है, और इसे गैलेंट सहित सभी को मानना होगा।बयान में गैलेंट पर आरोप लगाया गया कि वह बंधक समझौते पर पहुंचने की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब इजरायल गाजा के अलावा अन्य क्षेत्रों, जैसे कि ईरान और लेबनान के हिज्बुल्लाह आंदोलन, से संभावित हमलों के लिए भी तैयार हो रहा है। ऐसे में इजरायली सरकार के भीतर यह आंतरिक टकराव एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की टिप्पणियों को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वे गाजा में बंधकों की रिहाई के समझौते को नुकसान पहुंचा रही हैं। यह बयान उस वक्त आया जब गैलेंट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गाजा में हमास के खिलाफ पूर्ण विजय की योजना को बकवास बताया था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गैलेंट की इस टिप्पणी को इजरायल विरोधी करार दिया और कहा कि इससे बंधकों की रिहाई पर चल रही वार्ता की संभावनाएं कमजोर हो रही हैं। बयान में स्पष्ट किया गया कि इजरायल का युद्ध लक्ष्य हमास का सफाया और बंधकों की रिहाई है, और यह गैलेंट सहित सभी पर लागू होता है। इजरायल के रक्षा मंत्री गैलेंट ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से बातचीत के दौरान ईरान की ओर से संभावित बड़े सैन्य हमले की तैयारी की जानकारी दी। इसके जवाब में अमेरिका ने अपनी मिसाइल पनडुब्बी और विमानवाहक पोत को पश्चिम एशिया में भेजने का आदेश दिया है, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने सोमवार को एक संयुक्त बयान जारी कर गाजा में युद्ध विराम और हमास द्वारा बंधकों की रिहाई के लिए नए प्रयासों का समर्थन किया है। इन देशों ने कहा कि लड़ाई को अब समाप्त होना चाहिए और गाजा के लोगों के लिए मानवीय सहायता की तुरंत और निर्बाध आपूर्ति की जानी चाहिए।

आज रात आकाश ...

नजर आएंगे। भारत में इस घटना को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह सबेरे तक देखा जा सकेगा। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने मंगल और गुरु के मिलन की इस घटना को खगोल विज्ञान के मुताबिक कंजक्शन ऑफ मार्स एंड जुपिटर बताया है। इसके अलावा इस घटना को तकनीकी रूप से एपल्स भी कहते हैं। उनके मुताबिक बुधवार मध्यरात्रि के बाद लगभग एक बजे यह दोनों ग्रह पूर्वी आकाश में जोड़ी बनाते हुए ही उदित होंगे। इसके बाद इस जोड़ी को खाली आंखों से अथवा टेलीस्कोप से देखा जा सकता है। धीरे-धीरे ये ग्रह आगे बढ़ते हुए स्वतंत्रता दिवस की सुबह सूर्यादय की लालिमा आने तक दिखाई देंगे। इस दौरान बृहस्पति की चमक माइनस 2.2 और मंगल की चमक 0.8 मैग्नीटयूड होगी। इस जोड़ी के पीछे वृषभ तारामंडल होगा। उन्होंने बताया कि जोड़ी बनाते इन ग्रहों में मंगल पृथ्वी से लगभग 22 करोड़ किलोमीटर से अधिक दूर होगा तो बृहस्पति 80 करोड़ किलोमीटर से अधिक दूर होगा। दूरी में इतना अंतर होते हुए भी पृथ्वी से देखने पर इनका कोण इस प्रकार होगा कि वे जोड़ी के रूप में एक-दूसरे में समाते दिखेंगे। सारिका ने बताया कि पूर्णिमा के चंद्रमा की आकाश में चौड़ाई लगभग 0.5 डिग्री दिखती है, जबकि जोड़ी बनाते इन ग्रहों के बीच की दूरी सिर्फ 0.3 डिग्री रह जाएगी, जो चंद्रमा की चौड़ाई से भी कम होगी। उन्होंने कहा कि इस अद्भुत खगोलीय घटना को देखने से नहीं चूकना चाहिए, क्योंकि अगली बार बृहस्पति और मंगल के इतने करीब होने की घटना करीब नौ साल बाद एक दिसंबर, 2033 को होगी।

दुनिया के सबसे ...

पर बने रेलवे पुल पर 750 मीटर लंबी तिरंगा रैली निकाली गई। आपको बता दें कि चिनाब नदी पर बना यह रेलवे पुल दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है। इस मौके पर रियासी के डी.सी. विशेष पाल महाजन ने बताया कि देश के प्रति अपना प्यार दिखाने के लिए 750 मीटर लंबा तिरंगा हाथ में लेकर यह रैली निकाली गई है। वहीं इस दौरान सभी ने भारत माता की जय और वंदे मातरम जैसे नारे लगाए।

हर घर तिरंगा यात्रा : डिब्रूगढ़ में सोनोवाल की बाइक रैली

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज डिब्रूगढ़ में 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर *हर घर तिरंगा* कार्यक्रम के सिलसिले में बाइक रैली निकाली। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ शहर के चौकाडिंगी ग्राउंड से सैकड़ों लोगों की भागीदारी के साथ इस बाइक रैली में भाग लिया। सोनोवाल ने स्वतंत्रता दिवस पर शहीद हुए बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि दी।

भारी मात्रा में हथियार के साथ 20 युवाओं ने किया आत्मसमर्पण

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। असम पुलिस को कोकराझाड़-चिरांग जिला के सीमावर्ती जंगलों में 20 युवाओं के एक समूह को रोकने और बाहर निकालने में सफलता मिली जो पिछले तीन-चार महीनों से एक नया उग्रवादी समूह बनाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस के प्रयास से उन्होंने समझदारी से काम लेते हुए बाहर आकर आत्मसमर्पण कर अपने पास मौजूद हथियार पुलिस को सौंप दिए। हालांकि, कोकराझाड़ पुलिस ने अभी तक इस अभियान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। असम पुलिस के डीजीपी जीपी सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए बताया है कि सौंपे गए हथियारों में स्वचालित राइफल 06, सिंगल शॉट राइफल 04, मैगजीन के साथ पिस्तौल 03, नंबर 36 एचई ग्रेनेड 05, एके राइफल की गोलियां 54 राउंड, पिस्तौल की गोलियां 09 राउंड है। और कोकराझाड़ पुलिस ने इस संबंध में कोई जानकारी साझा नहीं की है।

रंगिया : श्री श्री राधाकृष्ण झूलन यात्रा शतवार्षिकी महोत्सव का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। निचले असम के सबसे पुराने और ऐतिहासिक महोत्सव में एक रंगिया का श्री श्री राधाकृष्ण झूलन यात्रा महोत्सव का इसवर्ष 100वां आयोजन है, जोकि 13 अगस्त से 19 अगस्त तक सात दिवसीय कार्यक्रमों के साथ स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष तथा महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया द्वारा धार्मिक ध्वजारोहण के साथ सुबह 10.01 बजे किया गया। वहीं महोत्सव के मुख्य द्वार का उद्घाटन स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता द्वारा फीता काटकर और गुवाहाटी निवासी विशिष्ट व्यवसायी सुरेंद्र मित्तल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट समाज सेवक कैलाश काला, प्रदेश भाजपा के कार्यवाहक सदस्य दिनेश महंतो, भाजपा उत्तर कामरूप जिलाध्यक्ष सुबल पाल, विशिष्ठ कलाकार नरेन शर्मा, समाज के वरिष्ठ मुरलीधर लाड़सरिया, जगदीश तोदी, हरि प्रसाद शर्मा सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंदिर के पुजारी पंडित गोपाल शर्मा तथा महेश शर्मा के मंत्रोचार के साथ आयोजित उद्घाटन समारोह के दौरान महोत्सव के मुख्य कार्यालय का विधिवत उद्घाटन विशिष्ठ समाज सेवक कैलाश चंद काला द्वारा किया गया।

नाबार्ड ने असम-अरुणाचल सीमा पर जनजातीय विकास परियोजना का किया शुभारंभ

विश्वनाथ (विभास)। असम सरकार के जनजातीय विकास कोष (टीडीएफ) के अंतर्गत असम अरुणाचल सीमावर्ती क्षेत्र भीमाजूली में परियोजना का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। परियोजना का उद्घाटन बिश्वनाथ जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव ने किया। इस जनजातीय विकास परियोजना का उद्देश्य जनजाति लोगों को कृषि के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बिश्वनाथ में असम-अरुणाचल सीमा पर भीमाजुली क्षेत्र में 250 किसानों को 240 नारियल के पेड़, तेजपुर लीची के 25 पेड़, नारियल के 20 पेड़ और 100 झाड़ू के पौधे वितरित किए। समानांतर में, असम सरकार ने टीडीएफ योजना के तहत भीमाजुली के किसानों के बीच मीर्च, पपीता, बैंगन, तरबूज बागवानी फसलों के बीज वितरित किए। यह परियोजना नाबार्ड की वित्तीय सहायता से बिश्वनाथ के उत्तरी भाग में बालीचांग और भीमाजुली के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले जनजाति वासी लोगों की आजीविका में सुधार के लिए बिश्वनाथ जिला प्रशासन के सहयोग से इस परियोजना का कार्यान्वित की जा रही है। परियोजना का उद्घाटन नाबार्ड के राज्यिक मुख्य महाप्रबंधक लोकेन दास, बिश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर, बिश्वनाथ जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव, नाबार्ड जिला प्रबंधक सुमन चटर्जी के आलावा जिला कृषि अधिकारी वानेश्वर बे, नाबार्ड, मंडल अधिकारी उत्तरी असम प्रदीप बरदलै, शाखा प्रबंधक सेमंत गोस्वामी और कैडेट अधिकारी धीरेन डेका उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में से थे।

तामुलपुर जिला प्रशासन ने निकाला तिरंगा यात्रा

तामुलपुर (हिंस)। देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तामुलपुर जिला प्रशासन ने केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से आज तिरंगा यात्रा कार्यक्रम आयोजित की। तामुलपुर जिला के संरक्षक मंत्री और असम के मंत्री उर्खाओ गौरा ब्रह्म ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया। मंत्री उर्खाओ गौरा ब्रह्म ने अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। तामुलपुर हायर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान से तामुलपुर मटोंगा चौक तक तिरंगा जुलूस निकाला गया।

केरिपुब का गुवाहाटी में हर घर *तिरंगा* अभियान का शुभांरभ

गुवाहाटी (हिंस)। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा *हर घर तिरंगा* अभियान का शुभांरभ किया गया है, जिसके तहत आज से 15 अगस्त तक हर घर में तिरंगा फहराया जाना है। इसी क्रम में ग्रुप केंद्र, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब), गुवाहाटी द्वारा आज पदयात्रा एवं साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रुप केंद्र की 75वीं बटालियन के अधिकारी एवं कार्मिकों ने भाग लिया। साइकिल रैली का मुख्य उद्देश्य आम जन मानस में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना तथा 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा प्रर्दशित करने हेतु जागरूकता फैलाना है। इस अभियान के दौरान स्थानीय लागों को राष्ट्रीय ध्वज की महत्ता के बारे में जानकारी भी दी गई। हर घर तिरंगा अभियान के तहत सभी से आज से 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की गई तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी की भागीदारी हेतु अनुरोध किया गया। इस अभियान का नेतृत्व मानस रंजन, उप महानिरीक्षक, ग्रुप केंद्र, गुवाहाटी, अनिल कुमार ध्यानी, उप महानिरीक्षक, रेंज गुवाहाटी, टी हॉकिप, उप.कमा. राकेश कुमार मिश्रा, सहा. कमा., अतुल नागर, सहा. कमा., ग्रुप केंद्र परिसर में पदस्थ अन्य राजपत्रित अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी एवं जवानों ने पदयात्रा एवं साइकिल रैली में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा ग्रुप केंद्र परिसर के आस-पास के गांवों में जाकर हर हर घर तिरंगा फहराने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

जुरिया में संदिग्ध हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के जुरिया में प्रतिबंधित ड्रग्स के खिलाफ जुरिया पुलिस का अभियान चल रहा है। नवीनतम अभियान में संदिग्ध हेरोइन के साथ एक कुख्यात ड्रग्स आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जुरिया थाना के इंस्पेक्टर जेएस खाबंग के नेतृत्व में पुलिस ने जुरिया के सामधारा में अभियान चलाया। छापामारी में गिरफ्तार तस्कर की पहचान सामधारा के सिजाबुर इस्लाम के रूप में हुई है। आपूर्तिकर्ता से जब्त संदिग्ध हेरोइन की मात्रा 13.32 ग्राम है। ड्रग्स तस्कर से पूछताछ जारी है।

अपना मंच ने होजाई में छात्रों और निवासियों के बीच वितरित किए राष्ट्रीय ध्वज

होजाई (निसं)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपना मंच के सदस्यों ने मंगलवार को होजाई में गांधी विद्यापीठ हाई स्कूल के छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों के के बीच राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया। लगभग 150 राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए गए। इस अवसर गांधी विद्यापीठ हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक आलोक गुप्ता ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान भारतीय नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने में मदद करेगा। उन्होंने इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन में अपना मंच के प्रयासों की सराहना की। सामाजिक कार्यकर्ता गजानंद केजरीवाल ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही माता-पिता को अपने बच्चों को देशभक्ति के मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार रमेश मुंदड़ा ने कहा कि यह अभियान हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने का अच्छा तरीका है। समाजसेवी अशोक केजरीवाल ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत के बारे में बताया। अंजनी सरावगी, राजीब कश्यप गुप्ता (वरिष्ठ शिक्षक), आशीष अग्रवाल ने कहा हमें अपनी आजादी पर गर्व होना चाहिए। अपना मंच के सभी सदस्यों ने वचनबद्धता जताई कि वे नियमित रूप से ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे और समाज की निस्वार्थ सेवा करने का वादा किया।

जिला महिला अधिकारिता केंद्र का विचार-विमर्श बैठक आयोजित

कामरूप/अमीनगांव (विभास)। कामरूप जिला समाज कल्याण विभाग के जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए 100 दिवसीय विशेष कार्यक्रम के तहत पुलिस विभाग और समाज कल्याण विभाग के कर्मचारियों के लिए एक बैठक का आयोजन किया। क्षमता निर्माण एवं विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी भूपेन भट्टाचार्य, एनजीओ उत्साह के वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक किशोर बरुवा और जिला बाल संरक्षण अधिकारी मालविका कलिता उपस्थित थे। बैठक में किशोर बरुवा ने एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और उन्होंने लड़कियों और सभी बच्चों की सुरक्षा के संदर्भ में पुलिस विभाग और अन्य विभागों की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। विशेष रूप से, उन्होंने कानूनी कार्यवाही के उचित कार्यान्वयन, गुणवत्तापूर्ण जांच और कानून के साथ टकराव में आने वाले बच्चों के मौलिक अधिकारों और जरूरतों के प्रति पुलिस की संवेदनशीलता की आवश्यकता के बारे में बात की। उन्होंने पुलिस स्टेशनों में चाइल्ड चाइल्ड फ्रेंडली कॉर्नर की उपलब्धता पर भी जोर दिया। उन्होंने बाल विवाह, बाल तस्करी, शारीरिक शोषण आदि के संपर्क में आने वाले बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के बारे में भी बताया। बैठक में नशीली दवाओं के दुरुपयोग से दूर रहने और नशा मुक्त भारत मिशन के हिस्से के रूप में नशा मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में काम करना जारी रखने की शपथ भी पढ़ी गई।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कविता

जाहिद अहमद तपादार

इतिहास में दुनिया भर में स्वतंत्रता और मुक्ति के संघर्ष में, कवियों और लेखकों ने राजनेताओं के साथ-साथ प्रमुख भूमिका निभाई है। उस समय के कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से देशभक्ति, सामाजिक गौरव, सामाजिक जिम्मेदारियों और देश के प्रति असीम प्रेम के विषयों को व्यक्त किया। उनकी रचनाएं समकालीन युग की भावना को दर्शाती हैं। संघर्षों के इतिहास पर करीब से नजर डालने पर विभिन्न आंदोलनों में कवियों और लेखकों की महत्वपूर्ण भूमिका का पता चलता है-फ्रांसीसी क्रांति से लेकर रूसी बोल्शेविक क्रांति तक, इतालवी कार्बोनारी आंदोलन से लेकर आयरलैंड की आजादी की लड़ाई तक। भारत में भी, कवियों और लेखकों ने उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय संघर्ष के महत्वपूर्ण समय के दौरान, कवियों और लेखकों ने युग की मांगों के जवाब में देशभक्ति के संदेश बनाए। उनके काम के माध्यम से, भारत के दबे-कुचले और शोषित लोगों को विरोध की आवाज, उत्पीड़न से मुक्त होने की प्रेरणा और औपनिवेशिक सत्ता को उखाड़ फेंकने का साहस मिला। देश भर में, लोग सामूहिक रूप से मातृभूमि को आजाद कराने के लिए आगे बढ़े। तमाम बाधाओं और उत्पीड़न के बावजूद, देश के हर कोने से आम जनता अपने देश के लिए बलिदान देने के लिए तैयार थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कविता ने अभिव्यक्ति, एकता, एकजुटता और जनता के लिए प्रेरणा के एक सशक्त माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रिटिश शासन के अन्याय, उत्पीड़न और भारतीय लोगों के ब्रिटिश शासन के खिलाफ जमा हुए आक्रोश के संदर्भ में, देश भर के विभिन्न क्षेत्रों और भाषाओं के कवियों ने अपनी कविता के माध्यम से जनता की आशाओं, आकांक्षाओं, भावनाओं और शिकायतों को व्यक्त किया और राष्ट्र की आवाज बन गए। औपनिवेशिक भारत के विभिन्न क्षेत्रों के कवियों ने संकल्प और दृढ़ संकल्प से भरी कविताओं के माध्यम से लोगों में जागृति पैदा की और आम जनता को सभी बाधाओं से मुक्त होकर देश के लिए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कविता के माध्यम से कवियों ने समाज और राष्ट्र में व्याप्त विभिन्न अन्याय, अन्याय, उत्पीड़न और अंधविश्वासों के बारे में जनता में जागरूकता पैदा की। कविता ने संकल्प और दृढ़ संकल्प का संदेश दिया और स्वतंत्रता संग्राम के कठिन पथ पर साहसपूर्वक चलने की प्रेरणा प्रदान की। इसने स्वतंत्रता सेनानियों को साहस से भर दिया और उन्हें आंतरिक शक्ति से सशक्त बनाया। कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भारत के लोगों में देशभक्ति और एकता की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे देश की विरासत और संस्कृति पर गर्व की भावना पैदा हुई। उस समय की कविताओं ने ब्रिटिश शासन के अन्याय, औपनिवेशिक अधीनता के पतन और स्वतंत्रता की आवश्यकता को उजागर किया, जिससे राष्ट्रीय चेतना के जागरण में योगदान मिला। कविता की कायाकल्प करने वाली शक्ति ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से मुक्ति के लिए भारत के लोगों को दृढ़ता से प्रेरित और उत्साहित किया। समकालीन कविता का केंद्रीय विषय ब्रिटिश उत्पीड़न, शोषण, लूटपाट और सामाजिक शोषण के खिलाफ प्रतिरोध था। कवियों ने एकजुट राष्ट्रीय संघर्ष के महत्व पर जोर दिया। कविता के माध्यम से, उन्होंने लोगों को अधिकारों और न्याय के लिए अपनी लड़ाई में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कविता स्वतंत्रता संग्राम में उत्प्रेरक बन गई। स्वतंत्रता संग्राम की कविताओं में हमें रवींद्रनाथ टैगोर की *यदि कोई आपकी पुकार का जवाब नहीं देता है, तो अपने रास्ते जाओ* और *जहां मन भय रहित हो और सिर ऊंचा हो,* सरोजिनी नायडू की *द गिफ्ट ऑफ* मिलती है। भारत अल्लामा मुहम्मद इकबाल की *सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा,* बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की *वंदे मातरम,* रामप्रसाद बिस्मिल की *सरफरोशी की तमन्ना,* श्यामलाल गुप्ता की *झंडा ऊंचा रहे हमारा,* माखनलाल चतुर्वेदी की *पुष्प की अभिलाषा,* हरिवंश राय बच्चन का *आजादी का गीत,* रंगलाल बंद्योपाध्याय का *स्वाधीनता हिनाताई के बचते चाय हे, के बचेते चाय,* और काजी नजरूल इस्लाम का *बोद्रोही* और *करार ओय लौह कोपत, भींगे फेल कर रे लोपत*। ये कविताएं महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त, चिन्नास्वामी सुब्रमण्य भारती, सुभद्रा कुमारी चौहान, गोपीनाथ अमीन, फिराख गोरखपुरी, चंद्रशेखर आजाद, रघुनाथ मोहंती, गरिमेला सत्यनारायण और मौलाना हसरत मोहानी की कविताओं के साथ-साथ हैं। कई अन्य लोगों ने देश के लोगों को प्रेरित किया, उन्हें उत्पीड़न के खिलाफ मजबूती से खड़े होने और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। मौलाना हसरत मोहानी का जोशीला *इंकलाब जिंदाबाद* सदियों से विरोध करने वाले लोगों के लिए एक शक्तिशाली आह्वान के रूप में गूंजता रहा है। असम में, असमिया कविता और गीतों ने ब्रिटिश अन्याय, शोषण, क्रूरता और दमनकारी नीतियों के खिलाफ दमित लोगों की दबी हुई चेतना को जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंबिकागिरी रे चौधरी, लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ, कर्मवीर नवीनचंद्र बरदलै, नलिनी बाला देवी, उमेश चंद्र चौधरी, आनंद राम दास, बिनंदा चंद्र बरुवा, प्रसन्न लाल चौधरी, ज्योति प्रसाद अग्रवाल, देबकांत बरुवा और बिष्णु प्रसाद राभा जैसे कवियों ने अपनी कई असमिया कविताओं और गीतों के माध्यम से औपनिवेशिक शासन के अपमान से मुक्ति का आह्वान किया। अपनी कविताओं के माध्यम से, उन्होंने असम के लोगों को साहस और दृढ़ संकल्प के साथ अंग्रेजों का जवाब देने के लिए प्रेरित किया। असमिया कवियों की ये कविताएं गहरी देशभक्ति, राष्ट्रवाद और निराश राष्ट्र में नई जान फूंकने का आह्वान करती हैं। उन्होंने शोषित लोगों में राष्ट्रीय चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कवियों का उद्देश्य लोगों के दिलों में देशभक्ति, ऐतिहासिक जागरूकता, असमिया सांस्कृतिक विरासत, मानवतावाद, लोक जीवन, आत्मविश्वास और उम्मीद की भावना स्थापित करना था।

NO.SCPB/15th FC-504/pt-I/2021-22/ *Dated: 6/08/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Seated tender affixing a non refundable court fee stamp of Rs, 8.25 (Rupees eight & paise twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors of Class -I(ABC), Class- II and III category of Assam PWD (Roads & Building),according to their eligibility for submitting tenders for the works under 15th FC (Tied Grant) for the year 2022-23 during 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 1.30 PM on 30/08/2024 and will be opened on the same date & place at 2.PM.

SL No.	Name of works	Estimate Amount	Tender Value	Time of completion
1	Const, of Community Toilet at no. 1 Pakriguri Jawaharlal Bazar.	Rs.11,00,000/-	Rs. 10,45,000/-	3 month

Details NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized representatives from 6/08/2024 to 30/08/2024 in the office of the undersigned on payment of cost of tender paper in the form of demand draft/Bankers Cheque from any Nationalized Bank duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC; Kokrajhar, Payable at Kokrajhar.

Sd/-Block Dev. Officer
Sidli-Chirang Dev. Block,Sidli

IPR(BTC)/C/2024-25/284

No.SCDB/6th ASFC-57/pt-I/2022-23/518 *Dtd.12/08/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of Rs, 8.25 (Rupees eight & paise twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors of Class -I(ABC), Class- II and III category of Assam PWD (Roads & Building),according to their eligibility for submitting tenders for the works under 6th ASFC for the year 2020-21 during 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 1.30 PM on 5/09/2024 and will be opened on the same date & place at 2.PM.

SL No.	Name of works	Estimate Amount	Tender Value	Time of completion
1	Const. of road with E/F and S/G at East Kathalpara.	Rs. 19,99,000/-	Rs. 19,79,010/-	3 month
2	Const. of road with E/F and S/G at Bodhiaguri village.	Rs. 19,99,000/-	Rs. 19,79,010/-	3 month
3	Const. of road with E/F and S/G at Ghoramara village.	Rs. 19,99,000/-	Rs. 19,79,010/-	3 month
4	Const. of road with E/F and S/G at Moidhyo Pulbari village.	Rs. 19,99,000/-	Rs. 19,79,010/-	3 month
5	Const. of road with E/F and S/G at Dantak road to No.1 Dharampur middle road village.	Rs. 19,99,000/-	Rs. 19,79,010/-	3 month

Details NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized representatives from 12/08/2024 to 5/09/2024 in the office of the undersigned on payment of cost of tender paper in the form of demand draft/Bankers Cheque from anv Nationalized Bank duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, Payable at Kokrajhar.

Sd/-Block Dev. Officer
Sidli-Chirang Dev. Block,Sidli

IPR(BTC)/C/2024-25/285

संपादकीय

कांग्रेस नेताओं के खतरनाक इरादे

राजनीतिक हताशा नेताओं और उनके समर्थक बुद्धिजीवियों को कहाँ ले जाकर खड़ा कर देती है, इसको समझना है तो बांग्लादेश का संदर्भ लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की जा रही टिप्पणियों को पढ़ लीजिए। प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस के नेता एवं उनके समर्थक कब हद पार करके भारत विरोधी पाले में खड़े हो जाते हैं, इसके अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। कांग्रेस के नेताओं का यह कहना स्पष्ट तौर पर भारत का विरोध है कि "छह महीने पहले श्रीलंका की जनता प्रधानमंत्री के घर में घुसी। फिर बांग्लादेश में यही हुआ। अब भारत का नंबर है। दो दिन से टीवी पर देख रहे हो बांग्लादेश की जनता शेख हसीना की गलत नीतियों की वजह से प्रधानमंत्री आवास में घुस गई। राष्ट्रपति भवन में घुस गई। याद रखना नरेंद्र मोदी जो जनता सड़क पर हिलोरें ले रही हैं, एक दिन तुम्हारी गलत नीतियों के कारण तुम्हारे प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएगी और कब्जा कर लेगी"। कांग्रेस के नेता यह भी कह रहे हैं कि प्रत्येक तानाशाही का यही अंजाम होता है। प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करने के फेर में कांग्रेसी भूल गए कि नेहरू परिवार से आनेवाले नेता कल तक शेख हसीना को अपना पारिवारिक सदस्य बताते थे। कांग्रेसी नेताओं को बताना चाहिए कि नेहरू परिवार तानाशाहों को अपना पारिवारिक सदस्य बनाती है क्या? बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना एक निर्वाचित राजनेता हैं, उन्हें तानाशाह कहना अज्ञानता से कुछ कम नहीं है। बांग्लादेश में शेख हसीना की वह नेता हैं, जिनका झुकाव सदैव भारत की ओर रहा है। शेख हसीना को विलेन की तरह प्रस्तुत करना भी भारतीय विचार के अनुकूल राजनीति नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद का कहना है बांग्लादेश जैसी स्थिति भारत में भी हो सकती है। इसी तरह, मध्यप्रदेश में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन वर्मा ने जो बयान दिया है, वह साफ तौर पर लोगों को उपद्रव करने के लिए उकसाने वाला है। वे यह क्यों चाहते हैं कि एक दिन ऐसा भी आएगा जब श्रीलंका और बांग्लादेश की भाँति भारत में भी लोग प्रधानमंत्री के आवास में घुसकर लूट-पाट करेंगे। ऐसा कोई राष्ट्र हितैषी व्यक्ति तो सोच नहीं सकता। भारत की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से करना अपनी राजनीतिक हताशा को तुष्ट करने के लिए भी ठीक नहीं कहा जा सकता। भारत और उसकी सरकार मजबूत इरादों की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार जनता का विश्वास जीतकर प्रधानमंत्री आवास में हैं। यानी देश की जनता उनके साथ खड़ी है। यदि को यह सपना देख रहा हो कि 'शाहीनबाग' की सहायता से भारत में अराजकता उत्पन्न की जा सकती है, तब वह बहुत बड़े भ्रम में है। भारत इस प्रकार के उपद्रव से निपटने के लिए सक्षम है। भारत की पुलिस और सेना ही नहीं अपितु जनता भी लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करनेवाले उपद्रवियों को सबक सिखाने में पीछे नहीं रहेगी। कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा के बयान पर भाजपा के नेता एवं मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा है कि यह साफ तौर पर देशद्रोही टिप्पणी की श्रेणी में आती है। कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा और सलमान खुर्शीद का बयान का बयान देशद्रोह की टिप्पणी में आता है या नहीं, अब इसका निर्णय तो जानकार लोगों को ही करना चाहिए। लेकिन इतना तो तय है कि कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियां बहुत ही हल्की, ओछी और अपरिपक्व हैं। उनकी टिप्पणियां भारत के प्रतिकूल और भारत विरोधियों के अनुकूल है।

> प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस के नेता एवं उनके समर्थक कब हद पार करके भारत विरोधी पाले में खड़े हो जाते हैं, इसके अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। कांग्रेस के नेताओं का यह कहना स्पष्ट तौर पर भारत का विरोध है कि "छह महीने पहले श्रीलंका की जनता प्रधानमंत्री के घर में घुसी। फिर बांग्लादेश में यही हुआ। अब भारत का नंबर है। दो दिन से टीवी पर देख रहे हो बांग्लादेश की जनता शेख हसीना की गलत नीतियों की वजह से प्रधानमंत्री आवास में घुस गई। राष्ट्र पति भवन में घुस गई। याद रखना नरेंद्र मोदी जो जनता सड़क पर हिलोरें ले रही हैं, एक दिन तुम्हारी गलत नीतियों के कारण तुम्हारे प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएगी और कब्जा कर लेगी"। कांग्रेस के नेता यह भी कह रहे हैं कि प्रत्येक तानाशाही का यही अंजाम होता है। प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करने के फेर में कांग्रेसी भूल गए कि नेहरू परिवार से आनेवाले नेता कल तक शेख हसीना को अपना पारिवारिक सदस्य बताते थे। कांग्रेसी नेताओं को बताना चाहिए कि नेहरू परिवार तानाशाहों को अपना पारिवारिक सदस्य बनाती है क्या? बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना एक निर्वाचित राजनेता हैं, उन्हें तानाशाह कहना अज्ञानता से कुछ कम नहीं है।

लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है

भारत में आर्थिक प्रगति हेतु सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना ही होगा

प्रह्लाद सबनानी

> भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अत: समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है।

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी।

भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को

जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेंजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है।

परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व-समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है।

दृष्टि कोण

जनजातियों का गौरवपूर्ण अतीत और उनके साथ हो रहे वैश्विक षड्यंत्र

भारत और भारतीयता की पताका फहराने वाला जनजातीय समाज अपनी वैविध्यपूर्ण विरासत के साथ राष्ट्र के 'स्व' की छटा बिखेर रहा है। किन्तु जनजातीय समाज का निवास स्थान वनांचलों और ग्राम्य क्षेत्रों में होने के चलते उनके समक्ष कई तरह के संकट आ रहे हैं। उनमें सबसे घातक संकट ईसाई मिशनरियों के द्वारा कराया जाने वाला 'कन्वर्जन' है। मिशनरियों के कन्वर्जन का यह षड्यंत्र परतन्त्र भारत में अंग्रेजों के बर्बर शासन के समय से चला आ रहा है। ईसाई मिशनरियां वर्षों से प्रलोभन, सेवा और सहायता के हथियारों से कन्वर्जन कराने पर जुटी हुई हैं। इसके लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर तक के षड्यंत्रों का एक दीर्घकालीन एजेंडा सामने दिखता है। कन्वर्जन के उसी एजेंडे को बढ़ाने के लिए गद्दार कम्युनिस्ट आतंकियों से लेकर, माओवाद, अर्बन और बौद्धिक नक्सलियों की बड़ी लंबी फौज सक्रिय है। जो ऐनकेन प्रकारेण जनजातीय समाज को हिन्दू समाज अलग पहचान बताने और अलगाववाद की विषबेल रोपने में जुटे हुए हैं। इसके लिए मानवाधिकार से लेकर देश के संविधान और वैश्विक संधियों की आड़ लेकर अपने विभाजनकारी षड्यंत्रों को पूरा करने में टुकड़े-टुकड़े गैंग जुटी हुई है। ठीक ऐसा ही प्रयोजन 9 अगस्त को व्यापक रूप से रचा जाता है। जब जनजातीय समाज को कभी 'मूलनिवासी' तो कभी उनके भ्रामक, कपोल कल्पित अधिकार हनन की कहानियों से बरगलाने के कुकृत्य किए जाते हैं। इन सबके पीछे स्पष्ट और एक एजेंडा जनजातीय समाज की हिन्दू पहचान को नष्ट करना। उन्हें अलग बताकर पृथकता और अलगाववाद के बीच लाना। ताकि भविष्य में जनजातीय समाज का कन्वर्जन कराने में भारत विभाजनकारी शक्तियां सफल हो सकें।

इस षड्यंत्र में वैश्विक यूरोपीय शक्तियाँ पर्दे के पीछे से काम कर रही हैं। इसी कड़ी में 9 अगस्त को' वर्ल्ड इण्डिजिनियस डे' को एक हथियार के रूप में भारत विभाजनकारी शक्तियां प्रयोग करती हैं। इस सन्दर्भ में विश्व मजदूर संगठन (आईएलओ) के 'इण्डिजिनियस पीपुल' शब्द को 'मूलनिवासी' शब्द के रूप में प्रस्तुत कर जनजातीय समाज को पृथक बताने के कुकृत्य किए जाते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि विभिन्न राष्ट्रों के सम्बन्ध में 'इण्डिजिनियस पीपुल' का अर्थ और उसे परिभाषित करना अत्यन्त कठिन है। यहां भारत के लिए मूलनिवासी और 'इण्डिजिनियस पीपुल' को परिभाषित करना और ही कठिन है। क्योंकि भारतीय इतिहास, आधुनिक इतिहास की तथाकथित थ्योरी भिन्न है। भारत की अपनी विविधतापूर्ण – एकात्म विरासत है जो स्थान-स्थान में भिन्न-भिन्न है। भारत के आधुनिक इतिहास में वर्णित आक्रांताओं के अलावा भारत भूमि में निवास करने वाला और राष्ट्र की पूजा करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यहाँ का 'मूलनिवासी' है। क्योंकि भारतीय चेतना में जो भारत को माता कहकर मानता और पूजता है। प्रकृति का उपासक है वही भारत का मूलनिवासी है। अब ऐसे में मूलनिवासी या अन्य किसी भी शाब्दिक भ्रमजाल के द्वारा भारत को परिभाषित या पृथक्करण करना तो राष्ट्र की संस्कृति में ही नहीं है। किन्तु विश्व मजदूर संगठन के गठन के उपरांत इसी 'इण्डिजिनियस पीपुल' शब्द के भ्रमजाल में 13 सितम्बर 2007 को यूएन द्वारा विश्व भर के 'ट्राईबल' कम्युनिटी के अधिकारों के लिए घोषणा पत्र जारी किया गया। प्रतिवर्ष 9 अगस्त को 'वर्ल्ड इंडिजिनियस डे' के रुप में मनाया जाने लगा जिसकी घोषणा दिसंबर 1994 में की गई थी। भारत ने भी राष्ट्र की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सम्प्रभुता, अस्मिता और अखण्डता के आधार पर इस पर अपनी सहमति दी। इसके साथ भारत ने स्पष्ट किया था कि इसका पालन भारतीय संविधान के अनुरूप ही किया जावेगा। इसी सन्दर्भ में सन-2006 में इण्टरनेशनल लॉ एसोशिएशन (टोरंटो जापान में आयोजित ट्राईबल अधिकारों के अधिवेशन में भारत के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाई.के.सबरवाल ने जनजातीय एवं गैर जनजातीय समाज में समानता के विभिन्न बिन्दुओं को स्पष्ट करते हुए अपना आधिकारिक पक्ष रखा था। उन्होंने कहा था कि — "भारत के आधिकारिक मत के अनुसार भारत में रहने वाले सभी लोग 'मूलनिवासी' अथवा देशज हैं। इन सभी में से कुछ समुदायों को 'अनूसूचित' किया गया है जिन्हें सामाजिक, आर्थिक, न्यायिक व राजनैतिक समानता के नाते विशेष उपबन्ध दिए गए हैं।" इसके साथ ही जब विश्व कानून संगठन द्वारा स्पष्टता को लेकर मांग की गई। प्रश्न पूछा गया कि – क्या एसटी समाज अथवा जनजातीय समाज ही केवल भारत का 'ट्राइबल'/मूलनिवासी/देशज समाज है? इस पर न्यायमूर्ति सबरवाल ने साफ इंकार किया। और उन्होंने अपने विभिन्न प्रश्नात्मक तथ्य रखे। साथ ही विश्व कानून संगठन के समक्ष भारत के सम्बन्ध में पक्ष रखते हुए कहा कि – 'मूलनिवासी' या 'इण्डिजिनियस पीपुल' को परिभाषित या पृथक से विवेचन का भारत कोई इत्तेफाक नहीं रखता। तत्पश्चात भारत के जनजातीय समाज के हितों के संरक्षण लिए यूएन द्वारा जारी घोषणा पत्र में भारतीय संविधान के अनुसार ही सहमति जताते हुए न्यायमूर्ति अजय मल्होत्रा ने 13 सितम्बर 2007 को मतदान किया था।

कुछ अलग

महज सौ ग्राम वज़न ने छीना विनेश से पदक

बीते जमाने में पहलवान अपनी गर्दन में पत्थर का भारी कड़ा (रिंग) पहनकर दंड-बैठकें लगाया करते थे, किंतु विनेश फोगाट के गले पड़े नियम रूपी कड़े का वजन बेशक 100 ग्राम था, लेकिन उसकी उम्मीदों को ले डूबा। बुधवार की सुबह विनेश फोगाट को महिला कुश्ती की 50 किलो फ्रीस्टाइल श्रेणी में वजन 100 ग्राम अधिक पाए जाने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया। फाइनल में भिड़ंत अमेरिकी की साराह हाईबैंटेड से होनी थी और जीतने पर स्वर्ण पदक मिल सकता था, लेकिन यह अवसर हाथ से जाता रहा। विनेश को अयोग्य घोषित किए जाने में हद दर्जे की खराब व्यावसायिक कारगुजारी प्रतीत हो रही है और उसका मामला कुश्ती जगत में चर्चा का विषय बन गया, ओलंपिक के फाइनल में ऐसा पहले कभी हुआ हो, याद नहीं पड़ता। मुकाबले के पहले दिन यानी मंगलवार को वह अपना वज़न तयशुदा सीमा के भीतर बनाने में सफल रही लेकिन बुधवार को ऐसा नहीं कर पाई। 2016 और 2021 के ओलंपिक की भांति इस बार भी विनेश सबसे सम्माननीय खेलकुंभ में पदक हासिल करने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाई। स्वर्ण पदक मुकाबले वाले दिन की सुबह, जब विनेश का वज़न 100 ग्राम अधिक पाया गया तो इससे बच निकलने का जरा भी रास्ता न था क्योंकि नियमों के मुताबिक 10 ग्राम अधिक होने पर भी पहलवान अयोग्य घोषित हो जाता है। वज़न नियमों के प्रति अत्यधिक कड़ाई वाले खेल जैसे कि कुश्ती, बॉक्सिंग, जूडो और ताईक्वांडो में, प्रतिद्वंद्वियों के आकार और भार में समानता एक अनिवार्यता है। वह इसलिए कि दोनों के लिए मौका एक समान हो, यह नहीं कि बड़े से छोटे को भिड़ा दिया जाए। उदाहरणार्थ, 53 किलो भार के पहलवान के मुकाबले 50 किलो वाले को अखाड़े में नहीं उतारा जा सकता, अन्यथा अधिक वज़नी पहलवान को ताकत और पकड़ के मामले में बहुत फायदा मिल जाएगा। खेल अप्रत्याशित हो सकता है और कई बार हल्का दिखने वाला खिलाड़ी ताकत और पकड़ में अपनी कमजोरी पर पार पाते हुए, दांव-पेचों के सहारे अपने से बड़े पहलवान को चित्त कर देता है। नामी प्रतियोगिताओं में तगड़े खिलाड़ी अकसर बहुत फायदे में रहते हैं। लेकिन ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जैसी कुलीन प्रतियोगिताओं में नियम बहुत सख्त होते हैं, मानो पत्थर पर लकीर –यहां तक कि कुछ ग्राम अधिक वज़न निकलने पर पहलवान या बॉक्सर को बाहर कर दिया जाता है। संयुक्त विश्व कुश्ती संघ, जोकि इस खेल के लिए वैश्विक प्रशासनिक संस्था है, की नियम संहिता के अनुसार मुकाबले वाले दिन की सुबह प्रतियोगी का वज़न तोला जाता है, ओलंपिक या विश्व चैम्पियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में मुकाबले दो दिन चलते हैं। प्रथम दिन यदि खिलाड़ी का वजन अधिक आए तो तयशुदा सीमा तक घटाने के लिए उसे आधे घंटे का वक्त दिया जाता है, इस दौरान वह जॉगिंग, साईकिलिंग, रस्सी कूद या तेज दौड़ इत्यादि उपायों से अपने भार में कमी लाने का प्रयास करता है और फिर से वजन तोलने की मशीन पर चढ़ता है। पर यह तभी कारगर है जब मामला चंद ग्राम भार घटाने का हो। दूसरे दिन, जिस रोज फाइनल खेला जाना हो, पहलवानों को वज़न में कमी लाने के वास्ते 15 मिनट का समय दिया जाता है। तोल प्रक्रिया में, पहलवान चाहे कितनी भी बार मशीन पर चढ़ सकता है। भिड़न्त वाले खेलों के प्रतिभागी सामान्यतः प्रथम दिन के वज़न के हिसाब से तैयार रहते हैं, इसके लिए वे प्रतियोगिता से पहले के दिनों में भोजन और पानी की मात्रा घटाते हैं या एक वक्त का भोजन नहीं करते।

देश दुनीया से

बांग्लादेश : समय संकल्प लेने का है ...

> हिंदू महिलाओं के साथ जो कुछ हो रहा है, उसे सुनकर रोंगटे खड़े हो रहे हैं, परंतु पूरा देश मौन साधे बैठा है। कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, वह कल भारतवर्ष में होगा। जबकि कई ऐसे भी हैं जो खुली धमकियां दे रहे हैं कि जो आज बांग्लादेश में हो रहा है, वही कल भारतवर्ष में भी होगा। बांग्लादेश में कभी भी यह संभव नहीं था कि कुछ मुट्ठी भर छात्र बाहर निकलें और इंकलाब कर दें। यदि सेना अपनी सरकार के साथ होती तो यह नितांत असंभव था, परन्तु जब सरकार और बाहर बैठी हुई भारत विरोधी शक्तियां एक ही सूत्र पर काम कर रही हों तो सब कुछ संभव था। सोची समझी गई रणनीति और नीति के तहत सब कुछ हो गया है।

बांग्लादेश में वही हुआ है जो एक इस्लामिक देश में हो जाना चाहिए था। वहां पर हिंदुओं के साथ भी वही हो रहा है जो कभी भी अकल्पनीय नहीं कहा जा सकता था। वहां पर हिंदू महिलाओं के साथ जो कुछ हो रहा है, उसे सुनकर रोंगटे खड़े हो रहे हैं, परंतु पूरा देश मौन साधे बैठा है। कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, वह कल भारतवर्ष में होगा। जबकि कई ऐसे भी हैं जो खुली धमकियां दे रहे हैं कि जो आज बांग्लादेश में हो रहा है, वही कल भारतवर्ष में भी होगा। बांग्लादेश में कभी भी यह संभव नहीं था कि कुछ मुट्ठी भर छात्र बाहर निकलें और इंकलाब कर दें। यदि सेना अपनी सरकार के साथ होती तो यह नितांत असंभव था, परन्तु जब सरकार और बाहर बैठी हुई भारत विरोधी शक्तियां एक ही सूत्र पर काम कर रही हों तो सब कुछ संभव था। सोची समझी गई रणनीति और नीति के तहत सब कुछ हो गया है। यह घटनाक्रम बता रहा है कि शिकार कभी-कभी सियार भी कर लिया करते हैं। बांग्लादेश से जिन रोंगटे खड़े करने वाले अत्याचारों की कहानी छन छन कर आ रही हैं, वे सब नोआखाली के रक्तपात के साथ-साथ सीधी कार्यवाही दिवस की यादों को ताजा कर रही हैं। वहां पर इतिहास अपने आप को दोहरा नहीं रहा है बल्कि इतिहास ने बड़ी क्रूरता के साथ अपनी एक परिक्रमा पूर्ण कर ली है। वह संकेत दे रहा है कि यदि मेरे घटनाक्रम और घटनाओं से शिक्षा नहीं ली गई तो मैं ऐसी परिक्रमाएं अनंत काल अर्थात काफिरों के विनाश तक करता रहूंगा। बांग्लादेश की घटनाएं बता रही हैं कि आक्रांता की सोच इस पवित्र भूमि (बांग्लादेश भी कभी हिंदुस्तान का ही एक भाग हुआ करता था) के लिए वही है जो 712 ई0 में थी। एजेंडा भी वही है, हथकंडा भी वही है, झंडा भी वही है और डंडा भी वही है। ऐसा नहीं है कि सनातन के शत्रु सीमाओं से बाहर अपने कार्य को अंतिम परिणति तक पहुंचाने के काम में लगे हुए हैं, ये देश के भीतर भी हैं और इतना ही नहीं स्पष्ट कहा जाए तो देश की संसद के भीतर भी पहुंच चुके हैं। जो लोग आज सनातन को कमजोर करने के लिए लोगों को जातियों में बांटने की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें जाति पर गर्व हो रहा है और हिंदुत्व पर शर्म आ रही है। गर्व और शर्म के बीच के इस छोटे से अंतर के बीच ही हमारे विनाश की विभीषिकाएं रची जा रही हैं। जिन्हें हम नजरअंदाज कर रहे हैं। दैत्य हिंदुस्तान की ही भूमि पर तांडव कर रहा है और घर के शत्रु उस तांडव की ओर से मुंह फेर कर खड़े हैं या कहिए कि उन्होंने उस तांडव को छिपाने के लिए अपना एक बड़ा घेरा बना लिया है, जिससे कि इस तांडव के शिकार होने वाले आम आदमी को वह दिखाई ना दे। आत्मविनाश के लिए रचे जा रहे इस खेल को जो लोग समझ रहे हैं, वह गहरे सदमे में हैं?

जिनको हम राजनीति में अधकचरा या नौसिखिया कह रहे थे, वे अब ढीठ हो चुके हैं और सारी राजनीति को इस तांडव की ओर खींच ले जाने के लिए आतुर दिखाई देते हैं। 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' नामक पुस्तक में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने नीत्शे को उद्धृत करते हुए कहा है कि वारिस होना खतरनाक होता है। 1947 से पहले जिन लोगों ने देश को बंटवारे के खून के आंसुओं से रुलाया था, आज उन्हीं के वारिस फिर एक नए बंटवारे की नींव रखते दिखाई दे रहे हैं। जिन्हें देखकर यही कहा जा सकता है कि सचमुच वारिस होना खतरनाक ही होता है। समय खामोशियों को धारण करने का नहीं है। खामोशियों को तोड़कर देश की और धर्म की रक्षा के लिए आंखें खोल कर चलने की आवश्यकता है। शुतुरमुर्ग की तरह खतरों को देखकर रेत में मुंह छुपाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। जो लोग आज भी शुतुरमुर्गी धर्म को निभाने का काम कर रहे हैं, वे देश के शत्रु हैं। राजनीतिक नपुंसकता के शिकार ये लोग कभी भी देश के नायक नहीं हो सकते। इन्होंने पिछले 78 वर्ष में पाकिस्तान और बांग्लादेश में रह रहे करोड़ों हिंदुओं को चुपचाप बलि का बकरा बन जाने दिया। हम प्रत्येक वर्ष प्रत्येक वर्ष लाल किले से स्वाधीनता दिवस मनाते हुए झंडा फहराते रहे और उधर देखते ही देखते करोड़ों हिंदुओं का या तो कत्ल हो गया या फिर वे हिंदू से मुसलमान बना दिए गए। इंसानियत को मरते देखकर भी हमारी इंसानियत पिघली नहीं। रोई नहीं। चीखी नहीं। चिल्लाई नहीं। पूरी तरह बेशर्म हो गई। निर्लज्ज हो गई। मुंह छुपा कर बैठ गई। यदि यही गांधीवाद है तो हमें नहीं चाहिए ऐसा गांधीवाद। क्योंकि इस गांधीवाद की आत्मा ने किसी भी ' राजनीतिक बदमाश ' को झकझोरा नहीं कि तेरे देखते-देखते मानवता का खून किया जा रहा है और तू चुप है। घोटालेबाज, घपलेबाज और बेईमान कमीशनखोर राजनीतिज्ञ विदेश की यात्राएं करते रहे, मुर्ग मुसल्लम करते रहे, बड़ी-बड़ी सभाओं में जाकर गले में माला पहनते रहे, परन्तु किसी ने भी उन करोड़ों हिंदुओं को बचाने के लिए विश्व मंचों पर कभी कोई जोरदार आवाज नहीं उठाई जो पड़ोसी देश पाकिस्तान और बांग्लादेश में मुसलमान के अत्याचारों का शिकार हो रहे थे इन राजनीतिक नपुंसकों को किसी भी अबला पर होने वाले अत्याचार भी कहीं से दिखाई नहीं दिए।

आप का नजरीया

आस्था और राजनीति का नया मैदान

कांवड़ यात्रा संपन्न हो गयी जी! अब आप भी राहत की सांस ले सकते हैं, सरकार भी राहत की सांस ले सकती है, प्रशासन भी राहत की सांस ले सकता है, ढाबे वाले राहत की सांस ले सकते हैं, गाड़ियों-टैंपो वाले यहां तक कि साइकिल वाले भी सब राहत की सांस ले सकते हैं। वरना तो जी, सबकी सांस चढ़ी हुई थी। कांवड़ यात्रा एक तरह से सबकी परीक्षा होती है- सरकार की, प्रशासन की और आम पब्लिक की भी- सबकी। धीरज की भी और कानून-व्यवस्था की भी। अच्छी बात यह है कि इस परीक्षा का पर्चा लीक नहीं होता। यूं तो आजकल हर त्योहार मनाना एक तरह की परीक्षा से ही गुजरना होता है। रामनवमी शांति से गुजर जाए तो भी बल्कि अब तो हनुमान जयंती भी शांति से गुजर जाए तो भी लोग राहत की सांस लेते हैं। अब होली-दिवाली, ईद-बकरीद की ज्यादा टेंशन नहीं होती, वे तो शांति से गुजर ही जाते हैं। टेंशन इन नए आयोजनों की रहती है- कांवड़ यात्रा से लेकर रामनवमी तक के आयोजनों की। पिछले दिनों हर तरफ भोले ही भोले

थे। वे राजनीति में थे, राजनीति के आरोपों और प्रत्यारोपों में थे, वे मीडिया में थे, वे टेलीविजन के विजुअल्स में थे, वे सोशल मीडिया में थे, उसकी रीलों में थे, उसके वीडियोज में थे। वे मुकदमेबाजी में भी थे। वे सड़कों पर थे। वे ढाबों में भी थे और शिविरों में भी थे। बोले तो वे कहां नहीं थे! यहां तक कि भोले बाबा तो संसद में भी थे, संसद की बहसों और आरोपों-प्रत्यारोपों में थे। कहा जा सकता है कि आखिर तो सावन का महीना था। सो वे हर जगह थे। वे अगर सड़कों पर पैदल थे, तो वे डाक कांवड़ में भी थे। वे डीजे के साथ थे। कांवड़ यात्रा बड़े अद्भुत दृश्यों से लैस रहती है। कहीं कोई वाहन तोड़ रहे हैं। कहीं वे उधम मचा रहे हैं तो कहीं वे किसी को सबक सिखा रहे हैं। इधर कांवड़ के साथ-साथ अब वे अपने पसंदीदा नेताओं के पुतले भी कांधों पर ढोकर चलने लगे हैं। बंगाल के पूजा मंडपों की तरह से अब कांवड़ भी अलग-अलग थीमों पर सजने लगी है। कांवड़ यात्रा को लेकर हमेशा एक सनसनी बनी रहती है। सरकार और प्रशासन से लेकर आम जन तक सब दम साधे, नजरें गड़ाए इंतजार करते रहते हैं- कांवड़िए आ रहे हैं। संशय भी होता है, भक्ति भाव भी होता है। यह वे भोले हैं जो अपने रोजगार की चिंता छोड़कर कांवड़ लेने आए हैं, यह वे भोले हैं, जो अपनी खेती छोड़कर कांवड़ लेने आए हैं। कांवड़ अब एक नयी अभिव्यक्ति है, नया जुनून है, आस्था का भी और राजनीति का भी एक नया मैदान है। वह राजनीति की एक नयी पिच है।

परिवारवाद के भंवर में फंसी कांग्रेस तीसरी बार भी चखेगी हार का स्वाद : मोहन लाल कौशिक

गुरुग्राम में अपने अभिनंदन समारोह में कही यह बात

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा की जा रही जनकल्याणकारी घोषणाओं से कांग्रेस टेंशन में है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इन्हीं जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर भारतीय जनता पार्टी की तीसरी बार भी सरकार बनेगी और कांग्रेस तीसरी बार भी हार का स्वाद चखेगी। पंडित मोहन लाल कौशिक मंगलवार को अभिनंदन समारोह में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। गुरुग्राम पहुंचने पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल कौशिक का फूलमालाओं से जोरदार स्वागत

और अभिनंदन किया। मोहन लाल कौशिक ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर भाजपा हर चुनाव को जीतती है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से गुरुग्राम जिला की चारों विधानसभाओं में कमल का फूल खिलाने का आह्वान किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी गरीब, युवा, महिला और किसानों की उन्नति के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही घोषणाओं से हरियाणा के लोगों के चेहरों पर खुशियां हैं। सीएम सैनी ने 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने की गारंटी दी है। गरीब परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देकर बड़ी राहत पहुंचाने का काम किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने सीएम सैनी द्वारा मंगलवार को 3774 युवाओं को नियुक्ति पत्र देने पर भी सीएम का आभार जताया। प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा ने कहा कि सेवा ही संगठन की मूलभावना से भाजपा के कार्यकर्ता काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की मेहनत और भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर तथा जनता के आशीर्वाद से हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। जिला अध्यक्ष कमल यादव ने प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल कौशिक और सम्मेलन में आए सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का आभार जताया। सम्मेलन में मुख्य रूप से संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, मुख्य प्रवक्ता जवाहर यादव, महिला प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, जिला प्रभारी संदीप जोशी, जिला अध्यक्ष कमल यादव, जिला महामंत्री रामबीर भाटी, सर्वप्रिय त्यागी, समय सिंह भाटी, पूर्व विधायक तेजपाल तंवर, रश्मी, बोधराज सीकरी, नवीन गोयल, मुकेश पहलवान, मनोज शर्मा, मधु आजाद, बिमला चौधरी, महेश चौहान, हरविंद्र कोहली, तिलक राज मल्होत्रा, शैलेन्द्र पांडेय, मीडिया प्रभारी गजेंद्र गुप्ता, सह मीडिया प्रमुख पवन यादव, राकेश राणा आदि उपस्थित रहे।

आरपीएससी ने जारी किया सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा 2024 का सिलेबस

जयपुर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मंगलवार को सहायक सांख्यिकी अधिकारी (आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2024 का सिलेबस आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि 5 अगस्त 2024 को सहायक सांख्यिकी अधिकारी के 43 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इस भर्ती के अंतर्गत 10 सितंबर 2024 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आयोग द्वारा उक्त भर्ती परीक्षा का आयोजन 12 अक्तूबर 2025 को किया जाना प्रस्तावित है। एप्लाइड आर्ट-सफल अभ्यर्थियों की सूची आयोग द्वारा सहायक आचार्य-एप्लाइड आर्ट विषय की परीक्षा के फलस्वरूप साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त विषय के 19 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु पूर्णत: अस्थाई रूप से सफल घोषित किया गया है। इस विषय के प्रश्न-पत्र प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षाओं का आयोजन 23 मई 2024 तथा प्रश्न पत्र तृतीय की परीक्षा का आयोजन 7 जनवरी 2024 को किया गया था।साक्षात्कार हेतु अस्थाई रूप से सफल घोषित किए गए अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे विस्तृत आवेदन पत्र आयोग की वेबसाईट से डाउनलोड कर उसे पूर्ण रूप से भरकर मय समस्त शैक्षणिक / प्रशैक्षणिक, जाति एवं अन्य वांछित प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रति के दिनांक 28 अगस्त 2024 सायं 6 बजे तक आवश्यक रूप से आयोग कार्यालय में भिजवा देवें। उक्त अभ्यर्थियों की पात्रता की जांच विज्ञापन की शर्तों के अनुसार किए जाने पर पात्र पाए गए अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार के लिए आमन्त्रित किया जाएगा। आयोग द्वारा सहायक सांख्यिकी अधिकारी (कृषि विभाग) भर्ती-2024 एवं सहायक आचार्य-संस्कृत शिक्षा विभाग भर्ती 2024 हेतु वर्गवार वर्गीकरण के संबंध में शुद्धि पत्र जारी किए गए है। इनका अवलोकन अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर कर सकते है। आयोग सचिव ने बताया कि कृषि विभाग में सहायक सांख्यिकी अधिकारी के 10 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन संख्या 11/2023-24 दिनांक 12 जनवरी 2024 को जारी किया गया था। विभाग द्वारा इन पदों की संख्या में वृद्धि किए जाने के फलस्वरूप कुल पदों की संख्या 14 हो गई है। इसके संशोधित वर्गवार वर्गीकरण के संबंध में शुद्धि पत्र संख्या 07/2024-25 जारी किया गया है। संस्कृत शिक्षा विभाग में विभिन्न 15 विषयों के लिए सहायक आचार्य के कुल 200 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन 12 जनवरी 2024 को जारी किया गया था। संबंधित विभाग से 3 विषयों- ऋग्वेद, सामान्य दर्शन तथा योग विज्ञान का नवीन वर्गवार वर्गीकरण प्राप्त होने के फलस्वरूप इन विषयों के नवीन वर्गवार वर्गीकरण के संबंध में शुद्धि पत्र संख्या 06/2024-25 जारी किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

बिजनौर (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जानलेवा हमले तथा मंदिरों में जारी तोड़फोड़ के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद तथा राष्ट्रीय बजरंग दल जनपद बिजनौर ने एक ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम कलेक्ट्रेट में पहुंच डीएम कार्यालय में सोंपा। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि जन आंदोलन के नाम पर हिंदुओं को निशाना बनाकर जगह-जगह हिंदुओं पर हमले, घरों को लूटने, हिंदू समाज को जलाना, मंदिर तोड़ना, मूर्तियां तोड़ना और हिंदूओं की हत्या का तांडव खुलेआम चल रहा है। जिसमें भारत विरोधी, हिंदू विरोधी समुदाय मौजूद हैं, इसमें जमाते इस्लाम की भूमिका प्रमुख रूप से मानी जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने मांग करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। आवश्यकता पड़े तो बांग्लादेश को कड़ी चेतावनी भारत सरकार की ओर से दी जानी चाहिए। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अनिल कुमार कमल, जिला मंत्री बरम सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला महामंत्री विशाल तोमर, तहसील अध्यक्ष गजेंद्र सिंह, हिमांशु त्यागी, सुशील कुमार, राजनीश कुमार शर्मा सुशील कुमार, विकास तोमर आदि मौजूद रहे।

जलभराव, सफाई और सौंदर्यन को लेकर ग्रेटर निगम आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर (हिंस)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रुकमणि रियाज ने मंगलवार को सभी जोन एवं मुख्यालय उपायुक्त, अधिशाषी अभियन्ताओं के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने बैठक में जयपुर में भारी बारिश के कारण उपजे हालातों में सुधार करने तथा आमजन को हर संभव सहायता प्रदान करने, ओपन कचरा डिपो समाप्त करने, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को सुदृढ़ करने, खुले पड़े मैन हॉल पर फैरो कवर लगाने, रोड के दोनों तरफ शहर के सौन्दर्यकरण के लिए पेड़ों की कटाई छटाई करने, सफाई कर्मचारियों की नियमित हाजरी, सभी जोन ओआईसी द्वारा फील्ड में रहकर शहर की सफाई की नियमित मॉनिटरिंग करने संबंधी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। आयुक्त ने बैठक में उपायुक्त स्वास्थ्य को ओपन कचरा डिपो को शत-प्रतिशत समाप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण मजबूत होगा तो ओपन कचरा डिपो स्वत: ही समाप्त होने लगेगा। आमजन को खुले में कचरा ना फैंकने की समझाइश की जानी चाहिए।

चुनाव आयोग के समाने राजनीतिक दलों ने रखी चुनाव खर्च सीमा बढ़ाने की मांग

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने पहुंची चुनाव आयोग की टीम के सामने प्रदेश के विभिन्न राजनीतिक दलों ने सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग को रोकने तथा आपात स्थिति में पर्यवेक्षकों को तुरंत सुनवाई करने का मुद्दा उठाया।राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की खर्च सीमा को बढ़ाने की भी मांग की है। चुनाव आयोग का हरियाणा में दो दिवसीय दौरा मंगलवार को समाप्त हो गया। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार व डॉ. एसएस संधू की टीम ने सोमवार देररात तक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, मंडलायुक्तों, जिला उपायुक्तों, पुलिस अधिकारियों व राज्य चुनाव आयोग के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव की तैयारी पर चर्चा की। दूसरे दिन मंगलवार को आयकर, जीएसटी, ईडी, राज्य पुलिस, सीआईडी, आरपीएफ, आरबीआई और विजिलेंस समेत करीब दो दर्जन जांच एजेंसियों के साथ चुनाव की तैयारियों पर बैठक की। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, अतिरिक्त गृह सचिव अनुराग रस्तोगी, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, सीआइडी चीफ आलोक कुमार मित्तल और मुख्य चुनाव आयुक्त पंकज अग्रवाल

ने भी केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम के साथ चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। प्रदेश के राजनीतिक दलों ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग तुरंत प्रभाव से रोकने, शिकायत होने पर समय से कार्रवाई करने, संवेदनशील पोलिंग स्टेशनों पर केंद्रीय बलों की तैनाती करने, मतदाता सूचियों की खामियों की दूर करने, पोलिंग स्टेशनों की दूरी कम करने, पोलिंग स्टेशनों पर महिलाओं व बुजुर्गों के लिए सुविधाएं बढ़ाने जैसी मांग उठाई। राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की खर्च सीमा को बढ़ाने की भी मांग की है। साथ ही राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया कि शहरी क्षेत्रों में पोलिंग स्टेशन से करीब 50 मीटर की दूरी पर डेस्क लगाने की अनुमति देने की मांग की, जो कि अभी 200 मीटर पर लगती है। राजनीतिक दलों ने केंद्रीय चुनाव आयोग के सामने चुनाव पर्यवेक्षकों की समय से उपलब्धता तथा शिकायत करने के बाद उस पर तीव्र कार्रवाई नहीं हो पाने का मुद्दा भी उठाया। केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि राज्य में निष्पक्ष, भय रहित और शांतिपूर्ण चुनाव कराए जाएंगे।

प्रदेश में बदलाव के लिए सभी वर्गों के लोग आज कांग्रेस के साथ : दीपेंद्र हुड्डा

फतेहाबाद (हिंस)। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में चल रही हरियाणा मांगे हिसाब यात्रा मंगलवार शाम को फतेहाबाद पहुंची। यहां पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने अनाज मण्डी शैड के नीचे पूर्व सीपीएस प्रहलाद सिंह गिलांखेड़ा द्वारा आयोजित जनसभा को संबोधित किया। वहीं उसके बाद लाल बत्ती चौक से जवाहर चौक में पैदल यात्रा भी निकाली। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि लोकसभा चुनावों में हर वर्ग के लोगों ने कांग्रेस का साथ दिया। हरियाणा में 36 बिरादरी के लोगों ने बदलाव के लिए कांग्रेस के साथ दिया है और बदलाव की यह लहर विधानसभा चुनावों में भी जारी रहेगी। विधानसभा चुनावों में प्रदेश से भाजपा की विदाई तय है। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस की सरकार चाहती है। यही कारण है कि प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों पर 2500 से ज्यादा लोगों ने कांग्रेस टिकट के लिए आवेदन किए हैं। उन्होंने कहा कि इनमें 90 लोगों को ही टिकट मिलेगी जबकि बाकी सभी नेता एकजुट होकर कांग्रेस को जिताने का काम करेंगे। कांग्रेस सरकार बनने पर इन सभी लोगों की सरकार में भागीदारी रहेगी। कांग्रेस में गुटबाजी के सवाल पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है। सभी कांग्रेसी एकजुट और मजबूत है और जनता के समर्थन के साथ कांग्रेस प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। हरियाणा में अगर कोई पार्टी भीतरघात का शिकार है तो वह भाजपा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तिरंगा मैराथन को किया रवाना

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार सुबह *हर घर तिरंगा* अभियान के तहत तिरंगा मैराथन को अल्बर्ट हॉल से रवाना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आसमान में गुब्बारे छोड़कर *हर घर में तिरंगा* फहराने का संदेश दिया। शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज थामे स्वयं भी धावकों के साथ मैराथन में हिस्सा लिया। जयपुर ग्रेटर नगर निगम द्वारा आयोजित इस मैराथन में हजारों धावकों ने भाग लिया। शर्मा ने कहा कि *हर घर तिरंगा* अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐसी अभिनव पहल है, जो देश के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रीय स्वाभिमान और गौरव की भावना जाग्रत करती है। आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वाधान में शुरू किया गया यह अभियान अब एक जन आंदोलन बन गया है। इस अभियान के तहत घर में ध्वज फहराना ना केवल तिरंगे से व्यक्तिगत जुड़ाव का अहसास करवाता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में हम सभी नागरिकों की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान, एकता तथा अखण्डता का प्रतीक है तथा इस तिरंगा मैराथन के माध्यम से हम सभी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के सम्मान में देश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं।

वाराणसी में सात चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र मिला, गदगद

वाराणसी (हिंस)। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार को आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का यहां आयुक्त सभागार में सजीव प्रसारण हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के चयनीत अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बाद यहां सात अभ्यर्थियों को राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल और अन्य जनप्रतिनिधियों ने नियुक्ति पत्र दिया। कार्यक्रम में मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने चयनित सभी युवाओं को वर्तमान व्यवस्था का भाग बनने पर बधाई दी। उन्हें जिम्मेदारियों का एहसास भी कराया। मंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार को रोकने में आप अपनी जिम्मेदारियों को निभाएंगे। यही अपेक्षा आप सभी से है। उन्होंने शिक्षा

विभाग के अधिकारियों को जिले के विद्यार्थियों को भारत माता मंदिर दिखाने को कहा। ताकि प्राचीन समय में देश का विस्तार कैसा था इसको सभी जान पायें। कार्यक्रम में जिलाधिकारी एस राजलिंगम तथा मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने मुख्य अतिथि प्रदेश के स्टांप राज्य मंत्री रवीन्द्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, पिंडरा विधायक डॉ. अवधेश सिंह, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, एमएलसी धर्मेन्द्र सिंह को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

भाजपा ने दोबारा जारी की चुनाव समिति की सूची

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद भाजपा की राजनीति में हाशिए पर चल रहे पूर्व गृहमंत्री अनिल विज के दबाव में भाजपा हाईकमान ने प्रदेश चुनाव समिति की सूची दोबारा जारी की है। इस सूची में अनिल विज का नाम शामिल कर लिया गया है। दो दिन पहले जारी लिस्ट में पूर्व गृहमंत्री अनिल विज का नाम नहीं था। इससे नाराज अनिल विज सोमवार को अचानक दिल्ली पहुंच गए। यहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री और प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर अपनी नाराजगी जाहिर की। इसके बाद सोमवार देर रात ही पार्टी की ओर से चुनाव समिति की संशोधित लिस्ट जारी की गई। इस लिस्ट में नौवें नंबर पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज का नाम जोड़ा गया है। अनिल विज के अलावा हिसार से लोकसभा प्रत्याशी रह चुके रणजीत सिंह चौटाला का नाम भी लिस्ट में नहीं है। चर्चा है कि वह भी इसको लेकर नाराज हैं, जिससे वह घर बैठ गए हैं।

भागलपुर पुलिस लाइन में महिला सिपाही सहित पांच लोगों के शव मिले

पटना (हिंस)। भागलपुर के इशाकचक थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिले। पुलिस लाइन के क्वार्टर से मंगलवार सुबह एक महिला सिपाही और उसके परिवार के चार सदस्यों के शव मिले। मौके से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें सिपाही पत्नी के अवैध संबंध होने का आरोप लगाया गया है। डीआईजी विवेकानंद के मुताबिक, सभी मृतक बक्सर के रहने वाले थे। शव के साथ ही एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है, जिसमें महिला सिपाही नीतू कुमारी के पति पंकज ने हत्या की बात को स्वीकार की है। पंकज ने लिखा है कि पत्नी ने मेरी मां तथा दोनों बच्चों की गला रेत कर हत्या कर दी। इसलिए उसने पत्नी को मारकर खुद को फांसी लगा ली। साथ ही उसने पत्नी के अवैध संबंध होने का आरोप लगाया है। डीआईजी ने बताया कि महिला सिपाही ने आरोपी पति से लव मैरेज की थी। उन्होंने बताया कि मृतक महिला सिपाही नीतू कुमारी 2015 बैच की हैं। आसपास के पुलिस कर्मियों से पूछताछ में पता चला है कि पति-पत्नी में आपस में कई दिनों से विवाद चल रहा था। कल शाम में भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। घटना के बाद पुलिस लाइन में प्रवेश वाले सभी दरवाजों को सील कर दिया गया है। पुलिस वारदात की जांच-पड़ताल कर रही है।

बडोली मंदिर की प्रचीन मूर्तियां खंडित श्रद्धालुओं ने जीर्णोद्धार की मांग की

कोटा (हिंस)। दसवीं एवं ग्यारहवीं शताब्दी की स्थापत्य कला के प्रतीक माने जाने वाले बाडोली मंदिर में महादेव, गणेश, शिव, विष्णु एवं महादेवी की प्राचीन प्रतिमायें कुछ वर्ष पूर्व खंडित हो जाने से यहां आने वाले सैलानी एवं श्रद्धालु आहत हो जाते हैं। सावन के मौसम में हजारों पर्यटक रावतभाटा की प्राकृतिक वादियों में सैर करने निकलते हैं। रावतभाटा के निकट बाडोली मंदिर समूह दर्शनीय विरासत होने से यहां विदेशी सैलानी भी प्राचीन मंदिरों की अनूठी स्थापत्य कला की बारीकियों को कैमरे में उतारकर अपने साथ ले जाते हैं। पुरातत्व विभाग के शिलालेख के अनुसार, बाडोली मंदिर समूह में नौ छोटे-बड़े प्राचीन शैली के मंदिर हैं। इनमें महादेव, गणेश, विष्णु, महिषासुर, दुर्गा आदि की प्रतिमाएं स्थापित की गई थी लेकिन इसको क्षतिग्रस्त कर देने से इसके गौरव को

गहरी ठेस पहुंची है। इस परिसर में सबसे विशाल घटकेश्वर महादेव मंदिर है जिसका निर्माण दसवीं शताब्दी के प्रथम चरण में हुआ था। मंदिर में गर्भगृह, अंतराल एवं अर्द्धमंडप की योजना से बनाया गया जबकि श्रंगार चौकी के नाम से प्रसिद्ध रंगमंडप परवर्तीकालीन है। भारतीय पुरातत्व विभाग के अधिकारी ने बताया कि इस मंदिर का नामकरण संभवत: गर्भगृह में स्थापित घट अथवा घडे की आकृति के शिवलिंग के कारण किया गया। अर्द्धमंडप के सामने दर्शनीय स्तम्भ पर टिके प्रचुरता से अलंकृत मकरतोरण एवं अन्य स्तम्भों पर उत्कीर्ण स्त्री मूर्तियां क्षतिग्रस्त दिखाई देती है। अर्द्धमंडप की छतों पर स्थापत्य कला शैली के अलंकरण बेहद दर्शनीय हैं। मंदिर परिसर के बीच में चट्टानों से बहता पानी इसके प्राकृतिक सौंदर्य में चार चांद लगा देता है। हरियाली से आच्छादित इस दर्शनीय स्थल पर जल प्रवाह, जल कुंड सहित प्राचीन शैली के विशाल गुम्बद पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। लेकिन श्रद्धालुओं का कहना है कि प्राचीन शिवलिंग यहां

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का किया गया विरोध

बेतिया (हिंस)। बिहार बंगाली समिति बेतिया शाखा ने मंगलवार को बैठक कर बांग्लादेश में हो रहे हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की घोर निंदा की। समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष मदन बनिक ने कहा जब कभी बांग्लादेश की सत्ता में उतार चढाव होते हैं तब हमारे हिंदू अल्पसंख्यक भाइयों को ही टारगेट कर उन्हें क्षति पहुंचाया जाता है,जो बिल्कुल असंवैधानिक है। जिला अध्यक्ष राधाकांत देवनाथ ने कहा भारत सरकार को इस पर अविलंब पहल करने की आवश्यकता है, ताकि हमारे हिंदू भाइयों को वहां उचित सुरक्षा प्रदान हो सके। बैठक के दौरान उपस्थित एक वृद्ध कृष्णा पाल ने रोते हुए कहा कि जब फोन पर बांग्लादेश हमारे लोगों से बात हो रही है, तो उनके दु:ख को सुनकर हम काफी दुखित हो जा रहे हैं, हमारा कलेजा फट रहा है। लोगों ने कहां की आज हर पल हमारे लोगों की याद सता रही है।

नई शिक्षा नीति नौकरी लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला बनाएगा : राज्यपाल

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के राजा बाजार स्थित बापू सभागार में मंगलवार को महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविधालय के दीक्षारंभ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर पहुंचे। यहां उन्हे गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद राष्ट्रगान से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मंच पर बतौर विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय सांसद राधामोहन सिंह मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि युवा और छात्र ही देश को तैयार करते हैं। यह कार्यक्रम दीक्षारंभ के लिए आयोजित किया गया है। हालांकि, शिक्षा कभी समाप्त नहीं होती है, जिंदगी भर हम शिक्षा लेते रहते हैं। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों को दिलाई गई शपथ को दुहराते

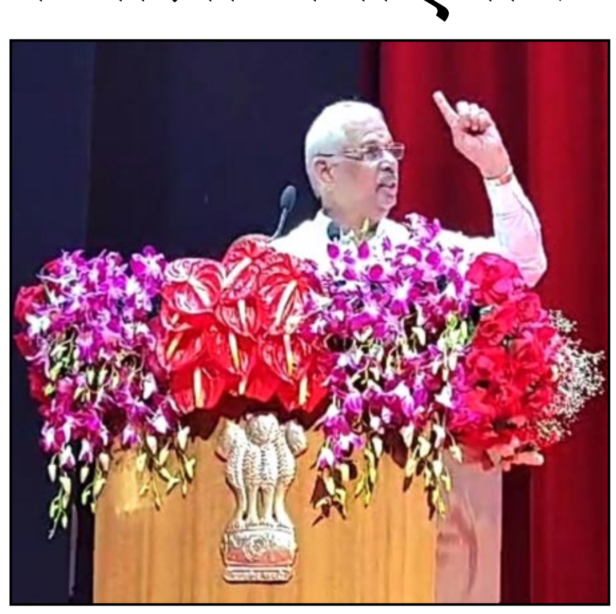

हुए उन्होंने कहा कि यदि इस शपथ को हम सभी अपने अंदर उतार ले तो हमें दूसरे किसी चीज की जरूरत नहीं पड़ेगी। चार साल की पढ़ाई आपके आने वाला समय को तय करेगा। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति के महत्व को रेखांकित करते कहा कि हम सब कब तक नौकरी लेने वाले बने रहेगे। आज जरूरत है नौकरी देने वाला बनने का है। नई शिक्षा नीति नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि देने वाला बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत का जो सपना है, उसे पूरा करना है। सांसद राधामोहन सिंह कहा कि कम समय में ही केंद्रीय विश्वविधालय के छात्र देश दुनिया में अपनी सफलता का परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नया भवन तीन साल के अंदर बन कर तैयार हो जाएगा। कुलपति ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि यह देश का सबसे नया विश्वविद्यालय होने बावजूद काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशन और फर्स्टक्राइ की शेयर बाजार में धांसू एंट्री

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए शानदार एंट्री की है। इन कंपनियों में यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के शेयर ऑफर प्राइस की तुलना में दोगुनी से अधिक कीमत पर लिस्ट हुए। इसी तरह फर्स्टक्राइ के शेयर 40 प्रतिशत प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 6 से 8 अगस्त तक खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये ओवरऑल 168.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में सबसे अधिक बोली नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) ने लगाई थी, जिसके कारण एनआईआई का हिस्सा 252.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 130.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के तहत निवेशकों को 108 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए गए थे। मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में इसकी लिस्टिंग 230 रुपये पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इसकी लिस्टिंग 235 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को 118 से 120 प्रतिशत तक का लिस्टिंग गेम मिल गया था। कारोबार की शुरुआत होने के बाद यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के शेयर उछल कर 256.15 रुपये

लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को हुआ जबरदस्त मुनाफा

के अपर सर्किट पर पहुंच गए। इस तरह इस आईपीओ के निवेशकों को 137.5 प्रतिशत तक का मुनाफा हो गया है।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस विभिन्न कंपनियां, लॉजिस्टिक प्रोवाइडर्स और सेलर्स को ई-कॉमर्स सर्विस उपलब्ध कराती है। यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के भारतीय क्लाइंट्स में जीवामी, मामाअर्थ, लेंसकार्ट और सेलो जैसी कंपनियां शामिल हैं। यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक इसके क्लाइंट्स में 7 देशों की 43 कंपनियां शामिल हैं।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस की तरह ही ब्रेनबीज सॉल्यूशन के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म फर्स्टक्राइ के शेयरों की भी मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई। 6 से 8 अगस्त के बीच खुले इस आईपीओ के तहत निवेशकों को 465 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए गए थे। कंपनी का आईपीओ ओवरऑल 12 गुना ओवर सब्सक्राइब हुआ था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कंपनी के शेयर 625 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में 651 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। इस तरह निवेशकों को 40 प्रतिशत से अधिक का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग होने के बाद कंपनी के शेयर बढ़कर 695 के स्तर पर पहुंच गए, जिससे इसके निवेशक 49 प्रतिशत से अधिक के मुनाफे में आ चुके हैं।

फर्स्टक्राइ की पैरेंट कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये नवजात बच्चों और माताओं से जुड़े उत्पादों की बिक्री करती है। कंपनी की स्थापना 2010 में हुई थी और ये फर्स्टक्राइ के नाम से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अपने पूरे कारोबार का संचालन करती है।

न्यूज़ ब्रीफ

ब्रेनबीज साल्यूशन का आईपीओ एनएसई पर 651 पर लिस्ट

मुंबई। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की पैरेंट कंपनी ब्रेनबीज साल्यूशन के आईपीओ की लिस्टिंग ने सभी को चौंका दिया। कंपनी का स्टॉक 34 फीसदी से अधिक के प्रीमियम पर लिस्ट हुआ, जो 465 रुपये के इशू प्राइस के मुकाबले 625 रुपये पर सेटल हुआ। एनएसई पर यह 40 फीसदी के प्रीमियम के साथ 651 रुपये पर लिस्ट हुआ, जबकि बीएसई पर 34.4 फीसदी प्रीमियम के साथ 625 रुपये पर लिस्टिंग दर्ज की गई। फर्स्टक्राई का आईपीओ मंगलवार को बाजार की उम्मीदों के अनुरूप लिस्ट हुआ। लिस्टिंग से पहले ही ग्रे मार्केट ने ब्रेनबीज साल्यूशन के शेयरों की मजबूत शुरुआत का संकेत दिया था। मंगलवार को फर्स्टक्राई के आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम 80 था, जो कि इश्यू के ऊपरी प्राइस बैंड से लगभग 17 फीसदी ज्यादा था। कंपनही का आईपीओ 6 अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खोला गया था और 8 अगस्त को बंद हुआ। आईपीओ का अलॉटमेंट 9 अगस्त को तय किया गया, और फर्स्टक्राई आईपीओ की लिस्टिंग की तारीख 13 अगस्त तय हुई थी। फर्स्टक्राई के आईपीओ का प्राइस बैंड 440 से 465 प्रति शेयर तय किया गया था और कंपनी ने प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर पर 4,193.73 करोड़ जुटाए।

देश के 10 प्रमुख शहरों और टियर-1 शहरों में भी लखनऊ शामिल

नई दिल्ली। शॉपिंग सेंटर के लिहाज से देश के 10 प्रमुख शहरों और टियर-1 शहरों में भी लखनऊ शामिल है। इन शहरों में इसका सातवां स्थान है। 21 टियर-2 शहरों को मिलाकर देश के कुल 29 शहरों के 340 शॉपिंग सेंटरों के एक सर्वे में यह बात कही गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार 21 प्रमुख टियर-2 शहरों में लखनऊ में शॉपिंग सेंटरों का सबसे अधिक 57 लाख वर्ग फुट स्टॉक यानी सकल पट्टा योग्य क्षेत्र उपलब्ध है। यह 2023 तक कोलकाता और अहमदाबाद जैसे शहरों के परिचालन शॉपिंग सेंटर स्टॉक से अधिक है। साल 2023 में देश के 29 प्रमुख शहरों में शॉपिंग सेंटर के 12.51 करोड़ वर्ग फुट स्टॉक में लखनऊ की हिस्सेदारी 5 फीसदी दर्ज की गई। लखनऊ की 21 प्रमुख टियर-2 शहरों के कुल 308 लाख वर्ग फुट शॉपिंग सेंटर स्टॉक में 18.4 फीसदी हिस्सेदारी है। रिपोर्ट के अनुसार लखनऊ में 580 रिटेल आउटलेट संचालित हैं और इनमें आधे से अधिक आउटलेट भारतीय मूल के हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय मूल के आउटलेट इनसे पीछे हैं।

बीएसएनएल उपभोक्ता भी ले पाएंगे हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा का लाभ

नई दिल्ली। सार्वजनिक दूरसंचार कंपनी भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के उपभोक्ता भी हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि बीएसएनएल साल 2025 के आखिरी तक 5जी सेवा लांच करने की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी मार्च 2025 तक अपना 4जी रोलआउट पूरा करने के बाद 6 से 8 महीनों में 5जी सर्विस शुरू करने की योजना बना रही है। वर्तमान में केवल भारती एयरटेल और रिलायंस जियो पूरे भारत में 9 करोड़ और 10.8 करोड़ ग्राहकों के साथ 5जी कवरेज प्रदान करते हैं। वोडाफोन आइडिया ने कहा है कि वह अलग-अलग वेंडर्स से इक्विपमेंट मंगाने का ऑर्डर देने की प्रक्रिया में है। तीनों दूरसंचार संचालकों ने जुलाई की शुरुआत में अपने टैरिफ में बढ़ोतरी की, जिससे कीमतें 10 से 27 फीसदी तक बढ़ गईं। एक अधिकारी ने कहा कि टैरिफ बढ़ोतरी के 15 दिनों के भीतर 2.5 लाख ग्राहकों ने अन्य टेलिकॉम कंपनियों से बीएसएनएल में पोर्ट किया है। बीएसएनएल अभी भी कम आय वाले ग्राहकों के लिए सस्ता मोबाइल टैरिफ प्रदान करता है। बीएसएनएल ने 6 अगस्त को यह भी घोषणा की थी कि वह 4जी और 5जी पर काम करने वाले 'ओवर-द-एयर' और यूनिवर्सल सिम प्लेटफॉर्म पेश करेगी। इससे ग्राहक अपना मोबाइल नंबर चुनने के साथ-साथ ज्योगरफिकल रेस्ट्रिक्शन के बिना सिम बदल सकेंगे।

टाटा मोटर्स ने शुरू की विनिर्मित रेंज रोवर स्पोर्ट की आपूर्ति

मुंबई। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर ने घरेलू बाजार में विनिर्मित रेंज रोवर स्पोर्ट की आपूर्ति शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इसके साथ ही अब रेंज रोवर का पूरा खंड भारत में निर्मित हो गया है।

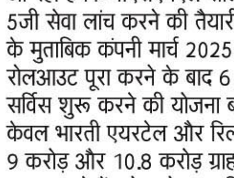

जगुआर लैंड रोवर ने इस वर्ष मई में घोषणा की थी कि वह भारत में टाटा मोटर्स के पुणे संयंत्र में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट का विनिर्माण करेगी। कंपनी के अनुसार पेट्रोल तथा डीजल दोनों इंजन में उपलब्ध नई रेंज रोवर स्पोर्ट की कीमत 1.40 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स-निफ्टी लुढ़के, निवेशकों को 4.48 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा मंगलवार को जम कर की गई बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। मंगलवार को के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स कुछ देर के लिए हरे निशान में भी आया लेकिन सुबह 10 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण बाजार के दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.87 प्रतिशत और निफ्टी 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयर में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर कंज्यूमर ड्युरेबल्स, फार्मास्यूटिकल और आईटी इंडेक्स में तेजी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को के कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़ चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद घट कर 445.34 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 4.48 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,026 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,280 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,658 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 88 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,375 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 590 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,785 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 96.41 अंक की कमजोरी के साथ 79,552.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 43.63 अंक की मजबूती के साथ 79,692.55 अंक तक पहुंचा लेकिन ये तेजी अधिक देर तक कायम नहीं रह सकी। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इसके बाद चौतरफा बिकवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स 759.54 अंक की कमजोरी के साथ 78,889.38 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 692.89 अंक की कमजोरी के साथ 78,956.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 4.65 अंक की मामूली गिरावट के साथ 24,342.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 12.95 अंक की मजबूती के साथ 24,359.95 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 230.50 अंक टूट कर 24,116.50 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 208 अंक की गिरावट के साथ 24,139 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी 1.89 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल 1.34 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 0.90 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 0.68 प्रतिशत और नेस्ले 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर बीपीसीएल 3.51 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 3.43 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.85 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 2.48 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 2.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक 9 सितंबर को, दरों को तर्कसंगत बनाने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक 9 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में होगी। इस बैठक में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को तर्कसंगत बनाने पर चर्चा की जाएगी। परिषद की पिछली बैठक 23 जून, 2024 को हुई थी।

जीएसटी परिषद ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि 'जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक नौ सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में होगी। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। इस बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने टैक्स 'स्लैब' को कम करने के अलावा जीएसटी के तहत उल्टा शुल्क हटाने पर चर्चा होने की संभावना है।

इससे पहले जीएसटी परिषद की पिछली बैठक 23 जून, 2024 को राजधानी नई दिल्ली में हुई थी। इस बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक में बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) कार्य की स्थिति और समिति के द्वारा 'कवर' किए गए पहलुओं तथा समिति के समक्ष लंबित कार्यों पर एक प्रस्तुति देगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र तथा राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। ये संस्था एक जुलाई, 2017 से भारत में काम कर रही है।

एफडी में मिलेगा ज्यादा ब्याज और बीमा की सुविधा

नई दिल्ली। बैंकों में बचत कम जमा हो रही है। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक चिंतित है। रिजर्व बैंक ने बैंकों से आकर्षक फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम बनाने के लिए कहा है। बैंकों से ज्यादा ब्याज देने के लिए भी कहा है। साथ ही बैंक इस तरह की स्कीम बनाएं,ताकि लोग बैंकों में अपने फिक्स डिपाजिट कर सकें। निजी क्षेत्र और राष्ट्रीयकृत बैंक जल्द ही फिक्स्ड डिपॉजिट पर कई तरह की योजनाओं को संचालित कर सकते हैं। इसमें बच्चों और बुजुर्गों के लिए, लघु और दीर्घ अवधि के लिए, अलग अलग ब्याज दरों की योजना बनाने के लिए कहा है। इसके साथ बीमा जैसी सुविधा देने पर भी विचार किया जा रहा है। फिक्स्ड डिपॉजिट पर 500000 रु. तक का दुर्घटना बीमा बैंक जल्दी ही ऑफर कर सकते हैं।

संदीप पौंड्रिक ने इस्पात मंत्रालय में सचिव पद का कार्यभार

नई दिल्ली।

संदीप पौंड्रिक ने मंगलवार को इस्पात मंत्रालय के सचिव का पदभार संभाल लिया है। उद्योग भवन में स्थित इस्पात मंत्रालय में पौंड्रिक का कार्यभार संभालने के मौके पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वे बिहार कैडर के 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं।

इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संदीप पौंड्रिक ने इस्पात मंत्रालय के सचिव के तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। मंत्रालय के मुताबिक कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने देश में इस्पात क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा के लिए इस्पात मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

उल्लेखनीय है कि पौंड्रिक बिहार सरकार में उद्योग विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने कई अन्य पदों का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला है। इससे पहले वे गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) में सलाहकार तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे।

महंगा हुआ सोना, चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने में तेजी का रुख नजर आ रहा है, जबकि चांदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। सोना 250 से 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 70,740 रुपये से लेकर 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 64,860 रुपये से लेकर 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 82,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मंगलवार को देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 70,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 64,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 64,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,640 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 64,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से मंगलवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एशियाई बाजारों में भी मंगलवार को मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका में होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्लूपीआई) और कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) के आंकड़े कल आने वाले हैं। महंगाई के इन आंकड़ों के आने के पहले अमेरिकी बाजार में निवेशक काफी संभल कर कारोबार कर रहे हैं। इसी वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 140 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.23 अंक यानी 0.002 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 5,344.39 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,780.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,210.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 17,726.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,250.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशिया में भी मंगलवार को मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,743.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.20 प्रतिशत फिसल कर 2,612.96 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,292.91 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत फिसल कर 2,856.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत उछल कर 24,374.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स भी 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,128.78 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 888.23 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 35,913.23 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,262.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,347.47 अंक के स्तर तक पहुंच गया है।

अदाणी ग्रुप की नौ कंपनियों के शेयरों में तेजी लौटी

नई दिल्ली। अदाणी समूह की सूचीबद्ध 10 कंपनियों में से नौ के शेयरों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में तेजी देखी गई। सोमवार को इन कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई थी। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में मंगलवार को तेज उछाल आया और यह छह प्रतिशत चढ़ा।

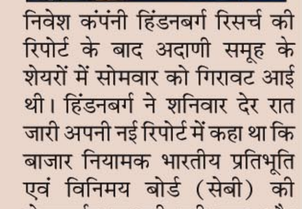

अदाणी टोटल गैस के शेयर में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, एनडीटीवी में 2.56 और अदाणी ग्रीन एनर्जी में 2.55 प्रतिशत की तेजी आई। अदाणी विल्मर का शेयर 2.15 प्रतिशत, एसीसी का 1.93 प्रतिशत, अदाणी पावर का 1.74 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स का एक प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट्स का 0.43 प्रतिशत चढ़ा। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में शुरुआती कारोबार में मामूली गिरावट आई। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपंनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह के शेयरों में सोमवार को गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी नई रिपोर्ट में कहा था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धबल बुच ने बरमूडा तथा मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था। उसने कहा कि ये वही कोष हैं जिनका कथित तौर पर विनोद अदाणी ने पैसों की हेराफेरी करने तथा समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया था।

ईसीबी और क्रिकेट स्कॉटलैंड ओलंपिक 2028 में टीम ग्रेट ब्रिटेन को उतारने की बना रहे योजना

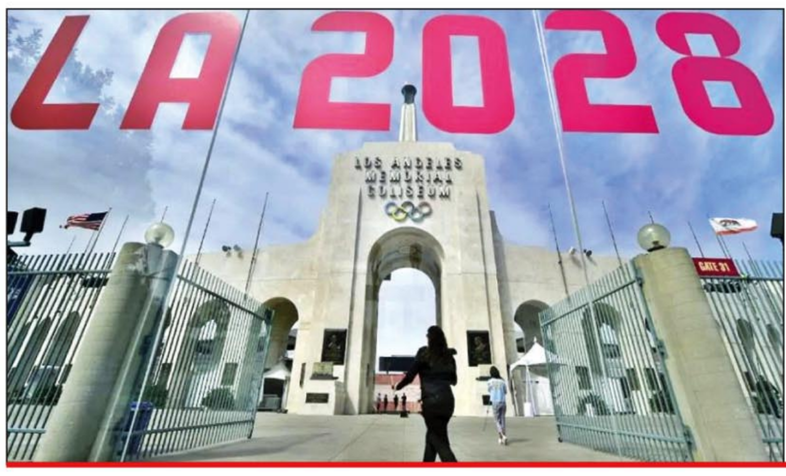

लंदन।
इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट स्कॉटलैंड ने लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक खेलों में पुरुष और महिला ग्रेट ब्रिटेन (जीबी) क्रिकेट टीमों को मैदान में उतारने की योजना के बारे में बातचीत शुरू कर दी है।

क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार ओलंपिक में वापस आएगा, जब पिछले साल के अंत में इसे शामिल किए जाने की पुष्टि की गई थी। विवरण की पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन आईसीसी ने महिला और पुरुष दोनों प्रतियोगिताओं के लिए छह-टीम टी-20 टूर्नामेंट का प्रस्ताव दिया है, जो लगभग एक सप्ताह तक चलने की उम्मीद है और जो संभवत: एक साथ नहीं बल्कि लगातार खेले जाएँगे।

क्वालिफिकेशन विवरण की पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन आईसीसी की टी-20 रैंकिंग का कुछ हद तक उपयोग किया जाएगा। अधिकांश देश अपनी सामान्य शैली में प्रतिस्पर्धा करेंगे, लेकिन अगर इंग्लैंड क्वालीफ़ाई करता है तो वे बाकी ओलंपिक की तरह ग्रेट ब्रिटेन के रूप में खेलेंगे। इससे ब्रैंडन मैकमुलेन या सारा और कैथरीन ब्राइस जैसे कुछ स्कॉटिश खिलाड़ियों के प्रतिस्पर्धा करने की संभावना खुल जाती है।

ईसीबी और क्रिकेट स्कॉटलैंड ने प्रस्तावित जीबी क्रिकेट टीमों पर एक साथ काम करने के बारे में प्रारंभिक चर्चा की है। क्रिकेट स्कॉटलैंड अपने संचालन में सक्रिय भागीदारी के लिए जोर दे रहा है और खिलाड़ियों और कर्मचारियों का योगदान देने के लिए उत्सुक है, लेकिन ईसीबी टीमों का नामित शासी निकाय होगा।

ईसीबी के प्रवक्ता ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो को बताया, लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अभी चार साल बाकी हैं, यह अभी बहुत शुरुआती चरण है, लेकिन हम टीम जीबी और क्रिकेट स्कॉटलैंड से अगले कदमों के बारे में बात कर रहे हैं। एक बार फिर ग्रेट ब्रिटेन के ओलंपियनों ने इस साल पेरिस में अपने कारनामों से राष्ट्रीय कल्पना पर कब्जा कर लिया है, और हम 2028 में ओलंपिक मंच पर क्रिकेट की वापसी पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, इंग्लैंड और वेल्स द्वारा 2026 और 2030 में महिला और पुरुष [टी20] विश्व कप की मेजबानी के साथ, यह खेल को आगे बढ़ाने और अधिक लोगों को क्रिकेट के प्रति प्रेम विकसित करने के लिए प्रेरित करने का एक और शानदार अवसर है।

ब्रिटिश ओलंपिक एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंडी एन्सन ने सोमवार को कहा, हमें गोल्फ़, रग्बी और महिला फुटबॉल में अच्छा अनुभव है, कि कैसे चार राष्ट्र [इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड] एक साथ आ सकते हैं और एक देश को मुख्य शासी निकाय के रूप में नामित कर सकते हैं और अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि क्रिकेट भी ऐसा ही होगा।

एन्सन, जो लंकाशायर के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा, ईसीबी इसके केंद्र में होगा। उन्हें क्रिकेट स्कॉटलैंड के साथ मिलकर काम करना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह ठीक से हो। हम उन्हें एक साथ आने और एक एकल राष्ट्रीय शासी निकाय बनाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर करने में मदद करेंगे, जैसा कि हमने उन अन्य खेलों में किया है। हम उन्हें पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का सदस्य बनाने के लिए ईसीबी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज जॉर्ज वर्कर ने पेशेवर क्रिकेट से लिया संन्यास

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज जॉर्ज वर्कर ने 34 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। वर्कर, जिन्होंने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के साथ अपना पेशेवर करियर शुरू किया और ऑकलैंड के साथ समाप्त किया, ने एक बयान में कहा, पेशेवर क्रिकेट में 17 साल के शानदार सफर के बाद, मैं खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर रहा हूं। यह निर्णय मेरे जीवन के एक अविश्वसनीय अध्याय के अंत और एक नए रोमांच की शुरुआत का प्रतीक है, अपने करियर के दौरान, मैंने कुछ बेहतरीन दोस्ती बनाई है जो जीवन भर चलेंगी, साथ ही ऐसी यादें हैं जो मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। वर्कर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत कम समय बिताया, 2015 से 2018 के बीच उन्होंने दस वनडे और दो टी20 मैच खेले, जिसमें उन्होंने क्रमश: 272 और 90 रन बनाए। इसकी शुरुआत 2015 में जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के दौरे से हुई, जहाँ टी20 डेब्यू पर, उन्होंने हरारे में 38 गेंदों में 62 रन बनाकर प्लेयर-ऑफ़-द-मैच का पुरस्कार जीता। 2017 में फोर्ड ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए दस पारियों में 82.37 की औसत से 659 रन बनाए, जिससे उन्हें फिर से चयनकर्ताओं के रडार पर ला दिया। वनडे डेब्यू अफ्रीका के उसी दौरे पर हुआ, और उन्होंने 2017 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रारूप में कुछ रन बनाए, जब उन्होंने आयरलैंड में और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेला, और उस अवधि में अपने तीनों वनडे अर्धशतक बनाए।

पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता ही बिंग जियाओ ने 27 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन से लिया संन्यास

नई दिल्ली। चीनी शटलर ही बिंग जियाओ ने पेरिस ओलंपिक में महिला एकल का रजत पदक जीतने के बाद मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी। हालांकि, 27 वर्षीय खिलाड़ी घरेलू टूर्नामेंट खेलना जारी रखेंगे। बिंग जियाओ ने राउंड ऑफ 16 में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु को हराया था, हालांकि फाइनल में उन्हें दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर 1 एन से यंग से हार का सामना करना पड़ा था। दिलचस्प बात यह है कि बिंग जियाओ 2021 में टोक्यो खेलों में सिंधु के खिलाफ कांस्य पदक से चूक गईं थीं। वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 2014 में जापान की अकाने यामागुची के पीछे उपविजेता रहने के बाद एक किशोरी के रूप में चर्चा में आईं। उसी वर्ष बाद में नानजिंग में घरेलू युवा ओलंपिक खेलों में, उन्होंने फाइनल में यामागुची को हराकर स्वर्ण पदक जीता। बाएं हाथ की शटलर ने 461 एकल मैचों में 336-125 के जीत-हार का रिकॉर्ड बनाने के बाद अपने करियर को अलविदा कह दिया।

उरुग्वे के डिफेंडर डेमियन सुआरेज़ ब्राजील के सेरी ए क्लब बोटाफोगो से बाहर होने को तैयार

रियो डी जेनेरियो। उरुग्वे के अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर डेमियन सुआरेज़ ब्राजील के सेरी ए क्लब बोटाफोगो के साथ अपने दो साल के अनुबंध के आधे से भी कम समय में क्लब छोड़ने के लिए तैयार हैं। फरवरी में स्पेन के गेटाफे से रियो डी जेनेरियो की टीम में शामिल होने के बाद से सुआरेज़ बोटाफोगो के लिए राइट-बैक की भूमिका में मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। लेकिन ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में ट्रांसफर अनुरोध प्रस्तुत करने के बाद 36 वर्षीय खिलाड़ी का खेल खराब हो गया है, क्योंकि ऐसी खबरें आ रही हैं कि उन्हें उरुग्वे के पेनारोल के साथ जोड़ा जा रहा है। इसमें कहा गया है कि बोटाफोगो के मैनेजर आर्टुर जॉर्ज ने सुआरेज़ से कहा है कि वह अब क्लब की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। सुआरेज़, जो उरुग्वे की राष्ट्रीय टीम के लिए सात बार खेल चुके हैं, ने मोंटेवीडियो स्थित टीम डिफेंसर के साथ अपना कैरियर शुरू किया था, तथा उसके बाद उन्होंने स्पेन में स्पोर्टिंग गिजन, एल्चे और गेटाफे के साथ सफलतापूर्वक खेला।

19वीं राष्ट्रीय स्पीड-फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप आज से

देशभर के बारह स्टेट्स के शीर्ष एथलीट प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

गुरुग्राम।
भारत की सबसे प्रतिष्ठित आइस स्केटिंग प्रतियोगिता, 19वीं राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप, 14 अगस्त 2024 को गुरुग्राम के एंबियंस मॉल में स्थित आईस्केट बाय रोज़ेट में शुरू होने जा रही है। यह चैंपियनशिप आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएसएआई) के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है, और इसमें देशभर के शीर्ष एथलीटों का एकत्रण होगा, जो बर्फ पर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस वर्ष की चैंपियनशिप में केरल, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, दिल्ली, राजस्थान, लद्दाख (यूटी), और जम्मू और कश्मीर (यूटी) सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से भागीदारी होगी।

प्रतिष्ठित स्केटर्स जैसे प्रियम टेटेड, हर्षिता रावतानी, जतिन शेरावत और तारा प्रसाद के अलावा, भारतीय-अमेरिकी फिगर स्केटिंग की दिग्गज, अमी पारिख, भी इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय रंग भरेंगी।

19वीं राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में एक सुव्यवस्थित प्रारूप का पालन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न आयु वर्गों में स्पीड स्केटिंग और फिगर स्केटिंग श्रेणियां शामिल होंगी।

एथलीट निम्नलिखित श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे

1. फिगर स्केटिंग : 8 साल से कम, 11 साल से कम, 13 साल से कम, 15 साल से कम, 17 साल से कम, 19 साल से कम, 19 साल से ऊपर

2. स्पीड स्केटिंग : 6-8 वर्ष, 8-11 वर्ष, 11-13 वर्ष

चैंपियनशिप से पहले, 8 अगस्त से 13 अगस्त 2024 तक एक राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग कैंप आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य एथलीटों के कौशल को निखारना और प्रतियोगिता के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्थिति में लाना था। चैंपियनशिप 14, 16 और 17 अगस्त 2024 को आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन इंटरनेशनल स्केटिंग यूनियन (आईएसयू) के छह न्यायाधीशों द्वारा किया जाएगा।

फाइनल 17 अगस्त 2024 को निर्धारित है, जिसमें भारतीय फ्रीस्टाइल रेसलर और 2012 समर ओलंपिक्स कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। इसके अलावा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह भी इस मौके पर उपस्थित होंगे।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्राप्त होंगे, जबकि स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं, पहले रनर-अप और दूसरे रनर-अप को पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे।

18वीं राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन देखने को मिले, जहां तमिलनाडु की तारा प्रसाद और तेलंगाना के वैष्णव नायर ने फिगर स्केटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि महाराष्ट्र के सुमित तपकीर और स्वारली अश्वतोष देव ने शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में दबदबा बनाया। हरियाणा ने कुल पुरस्कारों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, उसके बाद तेलंगाना का स्थान रहा।

भारतीय टीम विश्व हॉकी रैंकिंग में पांचवें स्थान पहुंची

लुसाने। भारतीय हॉकी विश्व रैंकिंग में पांचवे नंबर पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम को पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक मिलने से रैंकिंग में लाभ हुआ है। पेरिस ओलंपिक के बाद जारी नई विश्व रैंकिंग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को दो स्थान का लाभ हुआ है जबकि पहले वह सातवें स्थान पर थी। वहीं एफआईएच प्रो लीग के समाप्त होन के बाद भारत को सातवां स्थान मिला था क्योंकि उसका अभियान अच्छा नहीं रहा था। भारत ने पेरिस ओलंपिक के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और उसे केवल 2 मैच में ही हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने 5 मैच जीते। इससे उसे 2848.67 अंक मिले और वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर 5वें स्थान पर पहुंच गया। पुरुषों की विश्व रैंकिंग में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड 3168 अंक के साथ ही रैंकिंग में पहले नंबर पर है। वहीं जर्मनी ने 3035 अंक लेकर अच्छा प्रदर्शन किया और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं इंग्लैंड 2973, बेल्जियम 2959 और भारत 2849 अंक लेकर शीर्ष 5 स्थानों पर हैं। जर्मनी के दूसरे नंबर पर पहुंचने से इंग्लैंड भी अपनी ओलंपिक-पूर्व रैंकिंग से एक स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि भारत ओलंपिक में लगातार दूसरे कांस्य पदक के बाद अंतर को पाटते हुए दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-5 में पहुंच गया है।

डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने के कारण पेरिस पैरालिंपिक 2024 में हिस्सा नहीं लेंगे भगत

नई दिल्ली।
बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) के डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद भारत के प्रमोद भगत पेरिस पैरालिंपिक 2024 का हिस्सा नहीं होंगे। मंगलवार सुबह बीडब्ल्यूएफ के एक बयान में पेरिस पैरालिंपिक में भाग लेने के लिए भगत की अयोग्यता की पुष्टि की गई।

बयान में कहा गया, 01 मार्च 2024 को जारी एक निर्णय के माध्यम से, सीएएस एंटी-डोपिंग डिवीजन ने पाया कि भगत ने बीडब्ल्यूएफ एंटी-डोपिंग विनियमों के अनुच्छेद 2.4 (ठिकाने) का उल्लंघन किया था, उन्होने 12 महीनों के भीतर तीन ठिकाने विफलताओं को अंजाम दिया था। परिणामस्वरूप, उन पर 01 सितंबर 2025 तक 18 महीने की अयोग्यता की अवधि लगा दी गई। भगत ने इस निर्णय के खिलाफ सीएएस अपील प्रभाग में अपील की। 29 जुलाई 2024 को, सीएएस अपील डिवीजन ने खिलाड़ी की अपील को खारिज कर दिया और 01 मार्च 2024 के सीएएस एंटी-डोपिंग डिवीजन के फैसले की पुष्टि की। तदनुसार, श्री भगत की अपात्रता की अवधि अब पुष्टि की गई है।

पेरिस पैरालिंपिक का आयोजन 28 अगस्त से 8 सितंबर तक होगा। 11 दिवसीय प्रतियोगिता 11 अगस्त को ओलंपिक के समापन के ठीक दो सप्ताह बाद शुरू होगी। भगत ने टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में पुरुष एकल एसएल 3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह पहली बार था जब किसी भारतीय ने पैरालिंपिक में बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीता था। एसएल (निचले स्तर पर खड़े होना) 3 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके शरीर का एक तरफ का हिस्सा, दोनों पैर मामूली रूप से प्रभावित होते हैं, या कोई अंग नहीं होता है। दृढ़ संकल्प और रणनीतिक प्रतिभा के संयोजन ने भगत को पैरा-बैडमिंटन के शिखर पर पहुंचा दिया। टोक्यो में उनकी स्वर्ण पदक जीत वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम थी। एक रोमांचक फाइनल में, भगत ने ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को हराकर खेलों में भारत के लिए चौथा स्वर्ण पदक सुरक्षित किया। 1988 में जन्मे भगत के जीवन में पांच साल की उम्र में उस समय अप्रत्याशित मोड़ आया जब उन्हें पोलियो हो गया, जिसके परिणामस्वरूप उनका बायां पैर विकलांग हो गया। अपनी शारीरिक चुनौतियों से विचलित हुए बिना, युवा भगत ने तेरह साल की उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और एक पेशेवर खिलाड़ी बनने की यात्रा पर निकल पड़े।

महिला पहलवान प्रीति को मिला गोल्ड मेडल, सचिवालय में मिली नौकरी

संघ ने किया सम्मानित

सहरसा।
अंडर 23 सीनियर पुरुष व महिला कुश्ती चयन प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 11 अगस्त को खेल परिषद् कैंपस खेल भवन मे आयोजित किया गया। खेल समापन के उपरांत जिले के जांबाज महिला पहलवान प्रीति कुमारी 59 किलो ग्राम में बिहार के 5 महिला पहलवान को पटकनी देकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। प्रीति कुमारी लगातार पांचवी बार हरियाणा के झझर में नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेंगी, जिसमें बिगत साल ब्रांज मेडल नेशनल प्रतियोगिता में प्राप्त किया था।

इसी आधार पर आजादी के बाद जिले के प्रथम कुश्ती खिलाड़ी खेल कोटे के आधार पर सचिवालय में प्रिती कुमारी को बिहार सरकार द्वारा पैनल लिस्ट बनाकर नौकरी सुनिश्चित कर दिया गया है, जो जिले का प्रथम इतिहास लिखा जायेगा।

प्रीति कुमारी को बिहार कुश्ती संघ के महासचिव विनय कुमार सिंह गया जिला अध्यक्ष अमरकांत सर द्वारा सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक क्षण के मौके पर सहरसा कुश्ती संघ के अध्यक्ष नितेंद्र प्रताप नन्हे, संरक्षक डॉ बिजय शंकर, डॉ बरुण कुमार, डा शैलेन्द्र कुमार, डा राकेश कुमार, डा रवि, डा आर के सिंह, व्यापार संघ के अध्यक्ष अर्जुन चौधरी, वरीय अधिवक्ता संतोष कुमार दत्ता, जितेन्द्र सिंह चौहान, संघ के तमाम पदाधिकारी साथ ही जिले के तमाम संघ ने प्रिती कुमारी, जिला सचिव हरेंद्र सिंह मेजर को हृदयतल से हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी।

ईशान किशन लाल गेंद क्रिकेट से वापसी को तैयार, बुची बाबू टूर्नामेंट में करेंगे झारखंड की कप्तानी

नई दिल्ली।
ईशान किशन 15 अगस्त से तमिलनाडु में शुरू होने वाले आगामी बुची बाबू टूर्नामेंट में झारखंड की कप्तानी करेंगे। यह एक प्री-सीजन रेड-बॉल प्रतियोगिता है। किशन, जो झारखंड की मूल लंबी सूची का हिस्सा नहीं थे, बुधवार को चेन्नई में टीम के साथ जुड़ेंगे। इस कदम को विकेटकीपर-बल्लेबाज की प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पूर्ण वापसी की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, किशन ने भाग लेने का फैसला किया और जब उन्होंने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) को इस बारे में बताया तो उन्हें इसमें शामिल कर लिया गया। किशन के 2024-25 सत्र के दौरान रणजी ट्रॉफी में वापसी की भी उम्मीद है, क्योंकि किशन ने राज्य चयनकर्ताओं को वापसी की इच्छा से अवगत कराया था। उनका आखिरी घरेलू प्रथम श्रेणी मैच दिसंबर 2022 में था। वह 2023-24 के घरेलू सत्र के अंत में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे और यह उनके लिए महंगा साबित हुआ, क्योंकि बीसीसीआई ने उन्हें घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देने के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची से हटा दिया।

जेएससीए के एक पदाधिकारी ने कहा, ईशान के साथ, यह कभी भी क्षमता के बारे में नहीं था। यह केवल इस बारे में था कि क्या वह वापसी के लिए तैयार है। निर्णय उसके पास था। जब उसे शुरुआती

सूची में शामिल नहीं किया गया था, तो यह केवल इसलिए था क्योंकि हमने उससे कोई संपर्क नहीं किया था। जिस क्षण उसने वापसी की इच्छा व्यक्त की, उसे शामिल कर लिया गया।

किशन की लाल गेंद वाले क्रिकेट में वापसी ऐसे समय में हुई है जब भारत अगले पांच महीनों में 10 मैचों वाले एक लंबे टेस्ट सत्र में प्रवेश कर रहा है, लेकिन उनकी वापसी आसान नहीं होगी। किशन ने पिछले साल भारत के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, जब ऋषभ पंत दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना के दौरान लगी चोटों से उबर रहे थे। जुलाई 2023 में उस कैरेबियाई दौरे का दूसरा टेस्ट किशन का आखिरी प्रथम श्रेणी मैच है। उन्हें 2023-24 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भी टेस्ट टीम में चुना गया था, लेकिन उन्होंने मानसिक थकान का हवाला देते हुए खुद को रिलीज करने के लिए कहा था।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ़ पाँच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज़ के दौरान वह टेस्ट में वापसी के लिए तैयार थे, लेकिन केएस भरत और ध्रुव जुरेल से पिछड़ गए, क्योंकि उन्होंने चयनकर्ताओं को बताया कि वह तैयार नहीं हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं लिया, और चयनकर्ता, जिनके सुझावों को बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध सूची तैयार करते समय ध्यान में रखता है, इस बात से खुश नहीं थे कि किशन ने झारखंड के लिए खेलने के बजाय बड़ौदा में अपने आईपीएल कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ निजी तौर पर प्रशिक्षण लेने के लिए खेल से दूर अपना समय बिताया। पंत अब वापस एक्शन में हैं, और जुरेल, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ़ अपनी बल्लेबाजी और ग्लववर्क दोनों से प्रभावित किया, खासकर रांची में प्लेयर-ऑफ़-द-मैच प्रदर्शन के दौरान, भारत की रेड-बॉल कतार में किशन से आगे निकल गए हैं। किशन, जिनके पास इस साल ग्रेड सी अनुबंध था, उसे खो दिया, 2023 में दो टेस्ट, 17 वनडे और 11 टी20 मैच खेले। वह 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के दौरान भारत की टीम का भी हिस्सा थे और शुभमन गिल के बीमार होने पर शीर्ष क्रम में दो मैचों में शामिल थे।

पुरमा बनर्जी से लेकर पीवी सिंधु तक रहे भारत के ओलंपिक में राष्ट्रीय ध्वजवाहक

पेरिस।
भारत की ओर से ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वजवाहक बनने वाले पहले एथलीट पुरमा बनर्जी के बाद अब तक 20 एथलीटों को यह सम्मान मिला है। हॉकी खिलाड़ियों को सबसे अधिक छह बार यह सम्मान मिला है। बेल्जियम के हुए एंटवर्प ओलंपिक 1920 में 400 मीटर धावक पुरमा बनर्जी को पहला भारतीय ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला था। वर्षों से भारत के लिए ओलंपिक ध्वजवाहक अपने-अपने खेलों के अग्रणी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कई बार अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी पहचान भारत के महान खिलाड़ियों के रूप में होती है।

आजाद भारत में लंदन ओलंपिक 1948 के पहले ध्वजवाहक होने का सम्मान भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के प्रेरणादायक पहले कप्तान डॉ. तालीमरीन एओ को मिला। अब तक बीस भारतीय एथलीट्स को ध्वजवाहक बनने का सम्मान हासिल किया है लेकिन इनमें से केवल आठ ही एथलीट्स हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। देश के एकमात्र पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में भारत के ध्वजवाहक थे। यह उनका आखिरी ओलंपिक भी था। तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बलबीर सिंह सीनियर ओलंपिक को ये सम्मान दो बार (1952, 1956) मिला है।

स्प्रिंटर शाइनी-अब्राहम विल्सन 1992 बार्सिलोना ओलंपिक में देश की ओलंपिक ध्वजवाहक का सम्मान पाने वाली पहली भारतीय महिला थी। शाइनी के अलावा ये सम्मान पाने वाली अन्य महिला अंजू बॉबी जॉर्ज हैं, जिन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक में ये उपलब्धि हासिल की थी। ओलंपिक में भारतीय हॉकी की एक बेहतरीन विरासत है। भारतीय टीम ने हॉकी में आठ स्वर्ण, दो सिल्वर और तीन कांस्य पदक जीते हैं, इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हॉकी खिलाड़ियों ने ओलंपिक (06) में भारत के लिए सबसे अधिक बार झंडा उठाया है। ओलंपिक में पहली बार भारत की ओर से दो ध्वजवाहक रहे। टोक्यो ओलंपिक 2020 खेलों में मुक्केबाज मैरी कॉम और हॉकी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह को ध्वजवाहक बनने का गौरव हासिल हुआ।

ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक

1920 - पुरमा बनर्जी (एथलेटिक्स), 1932 - लाल शाह भोकरी (हॉकी), 1936 - ध्यानचंद (हॉकी), 1948-तालीमरीन एओ (फुटबॉल), 1952- बलबीर सिंह सीनियर (हॉकी), 1956 -बलबीर सिंह सीनियर (हॉकी), 1964 - गुरबचन सिंह रंधावा (एथलेटिक्स), 1972-डेसमंड-नेविल डिवाइन जोन्स (मुक्केबाजी), 1984 - जफर इकबाल (हॉकी), 1988 - करतार सिंह ढिल्लों (कुश्ती), 1992 - शाइनी-अब्राहम विल्सन (एथलेटिक्स), 1996 - परगट सिंह (हॉकी), 2000 - लिएंडर पेस (टेनिस), 2004 - अंजू बॉबी जॉर्ज (एथलेटिक्स), 2008 - राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (निशानेबाजी), 2012- सुशील कुमार (कुश्ती), 2016 - अभिनव बिंद्रा (निशानेबाजी), 2020-मैरी कॉम (निशानेबाजी) और मनप्रीत सिंह (हॉकी), 2024-शरत कमल (टेबल टेनिस) और पीवी सिंधु (बैडमिंटन)

हेल्थ अलर्ट

कोई दोष नहीं है मानसिक रोग...

पूरी दुनिया में लाखों लोग मानसिक रोग के शिकार होते हैं। इसका असर उनके अजीजों पर भी पड़ता है। देखा गया है कि हर चौथे इंसान को कभी-न-कभी मानसिक रोग होता है। दुनिया-भर में इस रोग की सबसे बड़ी वजह है, निराशा। बायपोलर डिसऑर्डर और स्किड्जोफ्रीनीया बहुत गंभीर और खतरनाक मानसिक बीमारियां हैं। हालांकि इतनी भारी तादाद में लोग मानसिक रोग की गिरफ्त में आ रहे हैं, फिर भी लोग इसे छिपाए रखते हैं या इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इस बीमारी के शिकार लोगों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मानसिक रोग के शिकार बहुत-से लोग इलाज करवाने से कतराते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि लोग उनके बारे में न जाने क्या सोचेंगे।

कैसे पता चलेगा

विशेषज्ञों का कहना है कि जब एक व्यक्ति ठीक से सोच नहीं पाता, उसका अपनी भावनाओं और व्यवहार पर काबू नहीं रहता, तो ऐसी हालत को मानसिक रोग कहते हैं। मानसिक रोगी आसानी से दूसरों को समझ नहीं पाता और उसे रोजमर्रा के काम ठीक से करने में मुश्किल होती है। किसी को मानसिक रोग होने का कारण यह नहीं कि उसमें कोई दोष है। मानसिक रोग के लक्षण, हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। ये इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसके हालात कैसे हैं और उसे कौन-सी मानसिक बीमारी है। कुछ लोगों में इसके लक्षण लंबे समय तक रहते हैं और साफ नजर आते हैं, जबकि कुछ लोगों में शायद थोड़े समय के लिए हों और साफ नजर न आएं। मानसिक रोग किसी को भी हो सकता है, फिर चाहे वह आदमी हो या औरत, जवान हो या बुजुर्ग, पढ़ा-लिखा हो या अनपढ़, या चाहे वह किसी भी संस्कृति, जाति, धर्म, या तबके का हो। किसी को मानसिक रोग होने का कारण यह नहीं कि उसमें कोई दोष है। अगर मानसिक रोगी अच्छी तरह अपना इलाज करवाए, तो वह ठीक हो सकता है। वह एक अच्छी और खुशहाल जिंदगी जी सकता है।

इलाज करवाएं

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ ज्यादातर मानसिक बीमारियां ठीक कर सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि सबसे पहले मरीज की जांच अच्छे और अनुभवी डॉक्टर से करवाएं। जांच के बाद रोगी को फायदा तभी होगा जब वह सही इलाज करवाए। इसका मतलब, उसे अपनी बीमारी के बारे में दूसरों से बात करने में झिझक महसूस नहीं करनी चाहिए। इलाज करवाने के लिए शायद रोगी को एक अच्छे डॉक्टर से बात करनी पड़े। डॉक्टर उसे उसकी बीमारी के बारे में अच्छी तरह समझा सकते हैं। साथ ही, वह उसे रोजमर्रा की समस्याओं से निपटने के लिए कुछ व्यावहारिक सलाह दे सकते हैं और इस बात की अहमियत समझा सकते हैं कि क्यों इलाज बीच में न छोड़ें। डॉक्टर से सलाह-मशविरा करते वक्त अच्छा होगा अगर परिवार का कोई सदस्य या दोस्त साथ में हो, ताकि वह बीमार व्यक्ति को सहारा और दिलासा दे सके। बहुत-से लोगों ने जब अपनी हालत के बारे में अच्छी तरह जाना और फिर डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक इलाज करवाया, तो उन्हें अपनी बीमारी से लड़ने में काफी मदद मिली।

दूध में मिलाकर पिएं, पाएं स्वाद भी और शक्ति भी

दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, लेकिन हममें से ज्यादातर लोग नियमित दिनचर्या में इसकी उपेक्षा करते हैं, विशेष रूप से बच्चे। वह तो इसे ना पीने के बहाने ढूंढ़ने लगते हैं। अगर आपका बच्चा भी ऐसा ही कुछ करता है तो हम आपके लिए दूध के साथ ऐसे हेल्दी कॉम्बिनेशन लेकर आये है, जो दूध के साथ मिलाकर पीने से इसके न्यूट्रिएंट्स और भी बढ़ा देते हैं। जी हां बहुत सारी चीजें ऐसी है जिसे दूध में मिलाने से आप स्वादिष्ट और सेहतमंद ड्रिंक पा सकते हैं। दूध के साथ खजूर, बादाम या कुछ चीजों को मिक्स करके पीने से बॉडी को एनर्जी मिलती है और कई बीमारियां दूर होती हैं।

दूध में मिलाकर पिएं ये चीजें

दूध में बादाम

दूध के साथ बादाम का संगम ना केवल एक स्वादिष्ट बल्कि पौष्टिक पेय बनाता है। दूध में बादाम डालकर पीने से हड्डियां मजबूत होती है। इसमें आयरन और कैल्शियम होता है जो खून की कमी दूर करने में मददगार है। ज्यादातर लोग बादाम का दूध सर्दियों में पीते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इसे पीने से सर्दी भाग जाती है और

दूध में केसर

दूध प्रोटीन और कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं और केसर में प्राकृतिक चिकित्सीय गुण मौजूद होते हैं। केसर वाले दूध में पोटैशियम होता है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है इसे पीने से मूड अच्छा रहता है। इस सेवन गर्भावस्था में बहुत असरदार होता है।

दूध में खजूर

दूध में खजूर मिलाकर पीने से कब्ज को दूर करने और पाचन तंत्र को ठीक रखने में मदद मिली है ऐसा इसलिए क्योंकि इस ड्रिंक में फाइबर होता है। इसके साथ ही इसमें आयरन भी होता है जो एनीमिया से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा दूध और खजूर दोनों में कैल्शियम होता है जो जोड़ों के दर्द से निजात दिलाता है।

दूध में केला

जब केले और दूध का सेवन साथ किया जाता है तो बिना फैट के शरीर को भरपूर मात्रा में प्रोटीन, विटामिन, फाइबर और मिनरल मिल जाते हैं। इससे जो पोषण मिलता है वो शरीर को तीन चार दिन के लिए एनर्जी देने के लिए काफी है।इस ड्रिंक में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है जो दिल के रोगों से बचाने और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बहुत असरदार है। इसमें विटामिन बी-12 की मौजूदगी, डिप्रेशन को दूर करने में फायदेमंद है।

दूध में डार्क चॉकलेट पाउडर

चाकलेट का जिक्र हो और मुंह में पानी न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को चॉकलेट खाने का शौक होता है। डार्क चॉकलेट पाउडर वाले दूध में कैल्शियम और फ्लेवोनॉइड्स होते हैं जो अर्थराइटिस और कैंसर से बचाने में मददगार होते हैं। इसे पीने से त्वचा मुलायम और चमकदार होती है।

दूध में शहद

शहद और दूध दोनों संपूर्ण आहार माने जाते हैं। वैसे तो दूध पीने व शहद खाने दोनों के ही कई लाभ होते हैं, लेकिन दूध और शहद दोनों को साथ लिया जाए तो इनके गुण दोगुने हो जाते हैं। दूध में प्रोटीन और शहद में कार्बोहाइड्रेट्स होते है जो बॉडी के मेटाबॉलिज्म बढ़ाते हैं और मसल्स को मजबूत बनाते हैं।

ट्रेडिशनल ज्वैलरी पहने कुछ इस तरह...

पार्टी पर जाना हो तो आऊटफिट्स के साथ फुटवियर,मेकअप और ज्वैलरी भी परफैक्ट होनी चाहिए। ज्वैलरी अगर मैचिंग न हो तो कपड़ों का ग्रेस भी खत्म हो जाता है। कई बार तो घर पर बहुत से ऐसे गहने पड़े होते हैं,जिन्हें अगर ढंग से पहना जाए तो वे आपको नया लुक दे सकते हैं। आइए जानते हैं कि कौन सी ज्वैलरी किस तरह इस्तेमाल की जा सकती है। आपके पास खूबसूरत रिंग पड़ी हैं पर यह इस्तेमाल नहीं हो रही और पार्टी पर आप कोई नया पेंटेंड पहनना चाहती हैं। इसके लिए इन अंगूठियों को इस्तेमाल में लाया जा सकता है। किसी हल्की चेन में रिंग डालकर इसे पहन सकती है या फिर इसे साड़ी पर एक्सटेंशन के साथ अटैच भी कर सकते हैं। आपकी ड्रैस में सिल्वर टच है और ऐसी पायल जो आप इस्तेमाल नहीं करना चाहती तो इसे नेकलेस की तरह पहनें। इसे इंड़ो वेस्टर्न ड्रैस के साथ भी वियर कर सकते हैं। आजकल मांग टीका पहनने का बहुत ट्रैंड है। कोई हार जिसे आप बहुत बार पहन चुकी हैं तो इस बार इसे मांग टीके की तरह इस्तेमाल करें।

न्यू रिसर्च

टी सेल जेनेटिक इंजीनियरिंग से कैंसर का इलाज...

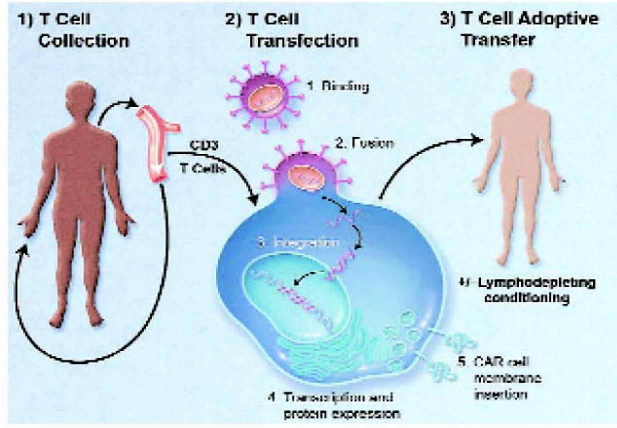

कैंसर के इलाज के एक नए तरीके की मदद से वयस्कों में ल्यूकेमिया के 88 फीसदी मामलों में सफलता मिली है। इस इलाज में मरीज की खुद की रोग प्रतिरोधक क्षमता का इस्तेमाल होता है। अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा किए गए रिसर्च में ये परिणाम सामने आए हैं। इसे इम्यूनोथेरैपी के क्षेत्र में बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। नए परीक्षणों में ब्लड कैंसर के खास प्रकार एएलएल यानी एडल्ट बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के 16 मामले शामिल किए गए थे। अमेरिका में हर साल एएलएल से करीब 1,400 लोगों की मौत होती है। इस प्रकार के कैंसर का आमतौर पर इलाज संभव है। कई मामलों में शरीर में कीमोथेरैपी के प्रति प्रतिरोधकता पैदा हो जाती है और बीमारी फिर लौट आती है। इस शोध में 16 में से 14 मरीज पूरी तरह ठीक हो गए। उनके टी सेल जेनेटिक इंजीनियरिंग से ठीक किए गए ताकि कैंसर को शरीर से मिटाया जा सके। इन मरीजों की औसत आयु पचास वर्ष है। जब इन्हें इस इलाज के लिए लाया गया तो ठीक होने की सारी उम्मीदें छोड़ी जा चुकी थीं। उन पर कीमोथेरैपी या किसी अन्य विधि का असर पड़ना बंद हो गया था। विशेषज्ञ बताते हैं कि कैंसर के लगभग आधे मामले कम किए जा सकते हैं। कैंसर के ट्यूमर का हर पांचवां मामला सिगरेट पीने से होता है। इससे फेफड़ों के कैंसर के अलावा कई और तरह के ट्यूमर भी हो सकते हैं।

टी सेल कम करना

इस विधि में मरीज के शरीर से कुछ टी सेल निकाल कर एक खास जीन से उनकी जेनेटिक इंजीनियरिंग इस तरह की गई कि वह कैंसर सेल पर मौजूद सीडी19 प्रोटीन को पहचान कर उस पर असर कर सकें। टी सेल का काम होता है शरीर को खतरनाक हमलों से बचाना, लेकिन वे कैंसर को बढ़ने से नहीं रोक पाते हैं। रिसचर्स ने बताया कि असल में हम टी सेल को प्रयोगशाला में जीन थेरैपी की मदद से यह सिखाते हैं कि वह कैंसर सेल को पहचान कर उसे कैसे नष्ट करे। शोधकर्ताओं के मुताबिक एक खास तरह के मरीजों पर यह विधि कारगर है। इलाज के इस तरीके पर यूरोप में भी शोध जारी हैं।

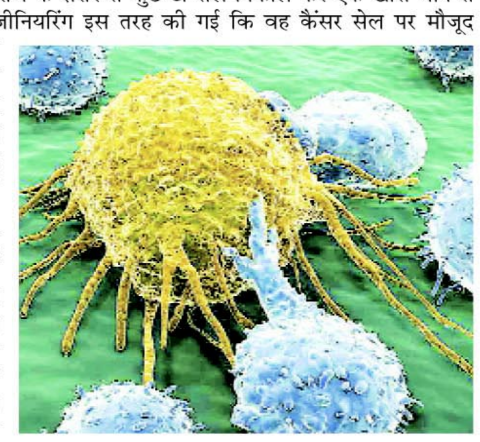

इस तरह की नेकलाइन सूट करेंगी आपको...

किसी टॉप या ड्रैस को चुनते समय महिलाएं और लड़कियां अक्सर उसकी नेकलाइन को देखती है कि वह नेक लाइन उनपर सूट करेंगी भी या नहीं। नेकलाइन एक ऐसी चीज होती है, जो लूक को बना या बिगाड़ देती है। अगर आप अपने पर सूट करती नेकलाइन की ड्रैस कैरी करती हैं तो यह लुक को और निखार देती हैं। बोट नेक सबरीना नेकलिन के नाम से भी जाना जाता है। लंबी हाइट और लंबी गर्दन वाली महिलाओं को इस नेकलाइन के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहिए। अगर आपकी बॉडी आवरग्लास और आप थोड़ी भारी भी हैं तो आपको इसे ट्राई करना चाहिए। वन शोल्डर नेकलाइन में एक तरफ का कंधा खुला रहता है, यह हर किसी का ध्यान आपकी गर्दन की और खिंचती है। सुंदर कॉलरबोन, लंबी गर्दन और नाजुक कंधों वाली महिलाओं के लिए यह नेकलाइन सबसे बैस्ट ऑप्शन है। वी-नेक का शेप अंग्रेजी के व्ही के आकार में होता है। यह नेकलाइन हर किसी को सूट नहीं करता। यह हौरग्लास बॉडी शेप वाली लड़कियों को यह सबसे अच्छा लगता है। टर्टल नेक आमतौर पर फिटिंग वाले स्वेटर्स में देखे जाते हैं। अगर आप स्लीम और स्ट्रट फिगर वाली है तो इस तरह की नेकलाइन कैरी करें। काउल नेकलाइन ज्यादातर छोटी और लंबी, दोनों तरह की ही स्लीव्ज वाले टॉप्स और स्वेटर्स पर देखी जाती है। यह आऊटफिट के फैब्रिक पर डिपेंड करता है कि वह आपकी कैसी लुक देता है।

किस कलर की ड्रैस कैरी करें...

जब किसी महिला या लड़की को किसी खास मौके जैसे पार्टी या फंक्शन में अपना सबसे बैस्ट लुक देना होता है तो वह अक्सर कपड़ों के रंग को लेकर कन्फ्यूज रहती है। वह सोचती है कि वह ऐसा कौन से रंग की आऊटफिट पहनें, जिसमें वह सबसे बैस्ट और स्टाइलिश लगे। अगर आप भी कुछ ऐसे ही सोचती हैं तो आज हम आपको तीन ऐसे रंग के बारे में बताएंगे, जो हमेशा ट्रैंड में रहते हैं और हर किसी को स्टाइलिश लुक भी देते हैं। वाइट एक ऐसा कलर है, जो हर मौके पर अच्छा लगता है, लेकिन यह कलर किसी धर्मिक स्थान पर कैरी करना बेस्ट ऑप्शन है। इसकी खास बात एक और है कि यह हमेशा ट्रैंड में रहता है। वाइट कलर के कपड़ों को कैरी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि इस कलर की ड्रैस सर से पैरों तक वाइट होनी चाहिए। इसको किसी और कलर के साथ मैच करके न पहनें। लाल हमेशा लग्जरी बना रहता है। लाल रंग की आऊटफिट आपको स्टाइलिश लुक देती है। इस कलर की ड्रैस को आप किसी पार्टी में कैरी कर सकती है। इसके साथ रेड कलर की ही फुटवियर पहनें। डार्क ब्लू काफी खूबसूरत लगता है। इसको आप किसी भी फंक्शन में कैरी करके अपना स्टाइलिश लुक दे सकती है। इस कलर की आऊटफिट कैरी करके आप फ्रैश महसूस करेंगी। अगर आप अपने आपको स्लीम लुक देना चाहती है तो डार्क ब्लू या नेवी ब्लू की ड्रैस कैरी करें।

क्यों भोजन के साथ सलाद खाना है जरुरी

घर या किसी होटल पर खाना खाने दौरान हमें सलाद खाने को जरुर मिलता है। यह हमें ताकत देता है और पेट के लिये भी काफी अच्छा होता है। सलाद में कई सब्जियां और फल शामिल होते हैं जो हमें कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ पहुंचाते हैं। ताजा सलाद का सेवन पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और वजन कम करने में भी मदद करता है। कच्चे फल और सब्जियों का सेवन करने से आप बेहतर महसूस करते हैं। भोजन के साथ सलाद खाने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

वजन कम करता है

सलाद कैलोरी में कम होते हैं और इससे आपका वजन नियंत्रित रहता है। सलाद में फल और गुड फैट जैसे ऑलिव ऑयल और ऐवाकाडो को शामिल करने से शरीर को आयरन, लिकोपिन, ल्यूटिन और अन्य पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद मिलती है।

कब्ज दूर करता है

सेहतमंद भोजन आपके शरीर को अधिक ऊर्जा देता है और इससे आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रहता है। सलाद हमारे भोजन में फाइबर की मात्रा को बढ़ाता है । जिससे कोलेस्ट्राल और कब्ज की समस्या दूर होती है। भोजन से पहले उच्च फाइबर युक्त आहार का सेवन करने से आपको वजन घटाने में मदद मिलती है।

बार बार भूख लगने से बचाता है

अगर आपको हमेशा कुछ न कुछ मीठा खाने का मन करता रहता है, तो कैंडी या चॉकलेट के स्थान पर फलों के सलाद का सेवन करें। न सिर्फ इससे आपकी भूख शांत होगी, बल्कि इसका स्वाद भी ताजा होगा और यह आपके शरीर में ऊर्जा का संचार भी करेगी।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

सलाद विटामिन, मिनरल से भरपूर होते हैं। इनमें विटामिन, इम्यूनिटी, विटामिन सी, संक्रमण से बचाव, आयरन अवशोषण, स्वस्थ हड्डियां, मसूड़ों और त्वचा को रोगों से बचाना, जख्मों को भरने और रक्त को गाढ़ा बनाने जैसे तत्व होते हैं। इसके अलावा कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व भी सलाद में होते हैं।

हाइड्रेट रखता है

सलाद में अगर आप खीरा, ककड़ी, मूली आदि चीजों का सेवन करते हैं तो यह आपको दिनभर हाइड्रेट रखता है। अगर आप पुदीने को खीरे के साथ मिला कर खाये तो यह और भी फायदेमंद होता है, इन दोनों को मिक्स करने से शरीर अच्छे से डिटॉक्सीफाइंग होने के अलावा प्रचुर मात्रा में मिनरल और विटामिन भी देता है।

पोषक तत्वों से है भरा

गहरे रंग के फल और सब्जियों, स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक होती है । दरअसल गहरे रंग के फल और सब्जियों में कैल्शियम और मैग्निश्यिम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं। चुकंदर खून को बढ़ाने का काम करता है। इसमें प्रचुर मात्रा में फोलिक एसिड, आयरन और कैल्शियम पाया जाता है। मूली में विटामिन सी, सोडियम और कैल्शियम पाया जाता है।

पैन्ट के साथ साड़ी ब्लाउज...

जब भी ब्लाउज की बात आती है तो सबसे पहले साड़ी का ख्याल ही दिमाग में आता है। लेकिन फैशन के इस युग में डिजाइनर्स हमेशा ही कुछ नया करने की फिराक में रहते हैं। अगर आप भी अब तक ब्लाउज को सिर्फ साड़ी के साथ ही पहनती हैं तो अब कुछ नया ट्राई करें। अब ब्लाउज को साड़ी के साथ टीमअप करने का तरीका बेहद पुराना हो गया है। अगर आपका नाम भी उन महिलाओं की श्रेणी में हैं जो फैशनपरस्त हैं और जिन्हें हमेशा ही अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना अच्छा लगता है तो अब आप साड़ी को भूल जाइए और ब्लाउज को दीजिए एक नया अंदाज। तो आईए जानते हैं साड़ी ब्लाउज को टीमअप करने के नए तरीके के बारे में-

ब्लाउज विद पैन्ट

हाल ही में साड़ी ब्लाउज को पैन्ट के साथ पहनने का चलन काफी है। अब साड़ी के लुक को एक डिफरेंट और मॉडर्न टच देने के लिए इस लुक में पैन्ट्स का प्रयोग होने लगा है। इतना हीं नहीं, पिछले दिनों डिजाइनर्स ने स्लिम पैंट्स विद साड़ी ब्लाउज और साड़ी का फ्यूजन रैम्प पर पेश किया था। इस लुक में लोअर वियर में पेटीकोट के स्थान पर स्लिम पैन्ट्स पहनी जाती है। साथ ही लुक को एन्हॉन्स करने के लिए साड़ी को भी डिफरेंट स्टाइल में डेप भी किया जाता है। इस तरह एक छोटे से बदलाव के जरिए एक इंडियन वियर को स्टाइलिश व मॉडर्न टच मिल जाता है।

ब्लाउज विद धोती पैन्ट्स

वैसे साड़ी ब्लाउज सिर्फ स्लिम पैंट्स के साथ ही नहीं जंचता, बल्कि इसे धोती पैंट्स के साथ पहनना भी एक अच्छा आइडिया हो सकता है। आप चाहें तो साड़ी ब्लाउज के उपर जैकेट भी पहन सकती हैं। इंडियन-वेस्टर्न का यह कॉम्बिनेशन बॉलीवुड के गलियारों में काफी प्रचलित है। कई बॉलीवुड दिवा जैसे सोनम कपूर आदि इस स्टाइल को अक्सर कैरी किए नजर आती हैं। वैसे इसके साथ आप हैवी ज्वैलरी पहनकर अपनी खूबसूरती में चार-चांद लगा सकती हैं। इतना ही नहीं, इसे आप किसी फैशन इवेंट या पार्टी में भी पहन सकती हैं।

साड़ी ब्लाउज विद स्कर्टस

अगर आप ट्रेंडी ब्लाउज पहनने की शौकीन हैं तो इस साल ट्रेंड में रहे ऑफ शोल्डर ब्लाउज या स्लीव्लेस ब्लाउज को लॉन्ग स्कर्ट्स या सेरोंग के साथ भी पहन सकती हैं। अपने लुक को एन्हॉन्स करने के लिए आप लाइट वेट स्टेटमेंट ज्वैलरी भी इसके साथ कैरी कर सकती हैं। यह पैटर्न स्कर्ट के अतिरिक्त प्लेन स्कर्ट के साथ भी खूब फबता है। वैसे इन दिनों फैशन डिजाइनर्स ब्लाउज को शॉर्ट व लॉन्ग स्कर्ट के साथ टीमअप करके साड़ी को बतौर दुपट्टा पल्लू इस्तेमाल कर रहे हैं। यह एकदम नया व डिफरेंट लुक है।

ब्लाउज विद लहंगा

वैसे तो ब्लाउज को लहंगे के साथ पहनने का चलन काफी पुराना है। लेकिन अगर आप किसी फंक्शन में अपनी किसी दोस्त या बहन का लहंगा पहनना चाहती हैं तो उसके साथ अपना साड़ी ब्लाउज पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है। इससे आपको पुराने लहंगे में ही एक न्यू लुक मिल जाएगा। वैसे आप इस लहंगे के साथ दुपट्टा कैरी करें या नहीं। यह पूरी तरह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)